@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 15 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 7 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बाल दिवस पर स्कूली बच्चों से की मुलाकात

● सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों से मुलाकात की और उनके साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता, समर्पण और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।



राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि उन्होंने बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों से मुलाकात की और उनके साथ बातचीत की। उन्होंने बच्चों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास करने का संदेश दिया। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित इस मुलाकात के दौरान बच्चे उत्साह के साथ राष्ट्रपति से मिले। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने बच्चों के साथ आत्मीयता से संवाद किया और उन्हें जीवन में अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी।

> "बच्चों को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता, समर्पण और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।"

शताब्दी वर्ष पर जोधपुर में निकला पथ संचलन, डॉ. मोहन भागवत ने किया निरीक्षण

● जोधपुर में आरएसएस के पथ संचलन में पांच हजार से अधिक स्वयंसेवक शामिल

एजेंसी

जोधपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर जोधपुर में पहली बार आयोजित चार दिवसीय मरु निनाद शिविर के तहत शनिवार को शहर में तीन मार्गों से पथ संचलन निकाला गया।

इसमें पांच हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। शहरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर संचलन का स्वागत किया। इस दौरान संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी मौजूद रहे। उन्होंने जालोरी गेट पर पहुंचकर पथ संचलन का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के तहत शनिवार शाम



चार बजे घोष संचलन निकाला गया। यह संचलन तीन निर्धारित मार्गों से एक साथ रवाना हुआ और करीब 50 मिनट में अपने-अपने गंतव्य पर पहुंचा। पहला संचलन सुमेर स्कूल से शुरू होकर पावटा चौराहा और कचहरी के सामने से होते हुए उम्मेद स्टेडियम पहुंचा। दूसरा संचलन उम्मेद स्टेडियम से नई सड़क, जालोरी गेट, गोल बिल्डिंग और बी रोड होते हुए गांधी मैदान पहुंचा। तीसरा संचलन गांधी मैदान से जलजोग चौराहा, 12वीं रोड और आखलिया चौराहा होते हुए प्रतापनगर स्थित आदर्श विद्या मंदिर केशव परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ।

घोष संचलन के मार्ग में व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न संस्थाओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। महिलाओं ने मंगल कलश लेकर मंगल गीत गाए और दीप जलाकर अभिवादन किया। प्रमुख चौराहों पर संतों के सान्निध्य में स्वागत मंच सजाए गए। जगह-जगह स्वागत द्वार, रंगोलियां और कारपेट भी बिछाए गए। इस दौरान देवी-देवताओं, महापुरुषों तथा मारवाड़ के संतों और वीर-वीरांगनाओं की झांकियां भी सजाई गई।

छठ पर्व पर दिल्ली से 27 विशेष ट्रेनों का संचालन

एजेंसी

नई दिल्ली। छठ के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और देश के पूर्वी हिस्से से आने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है।



उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने शनिवार को बताया कि 13 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 26 विशेष रेलगाड़ियां और एक अनिर्धारित रेलगाड़ी चलाई गई। नई दिल्ली से 11, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से एक, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इस दिन यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अनारक्षित एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया गया। उपाध्याय ने बताया कि 14 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से 27 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन प्रस्तावित है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार से पांच, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से तीन, दिल्ली जंक्शन से दो और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इस दिन भी यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अतिरिक्त अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से 22 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन प्रस्तावित है। इनमें नई दिल्ली से सात, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से दो, हजरत निजामुद्दीन से तीन, दिल्ली जंक्शन से दो और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इस दिन भी यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अतिरिक्त अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पटना जिला प्रशासन ने लॉन्च किया डिजिटल वेब ऐप

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पहल पर पटना जिला प्रशासन ने छठ महापर्व 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए एक विशेष डिजिटल व्यवस्था तैयार की है। इसके तहत 'छठ पूजा पटना डॉट कॉम' नाम से आधिकारिक वेब ऐप विकसित किया गया है। इस ऐप के माध्यम से श्रद्धालुओं को छठ घाटों की स्थिति, शौचालय, वस्त्र बदलने के कक्ष, पेयजल, पार्किंग और सुरक्षा इंतजामों सहित सभी जरूरी जानकारियां एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी।

'दुनिया अधिक अस्थिर होगी'

जयशंकर ने बताई नई विश्व व्यवस्था की तस्वीर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी बड़े संघर्षों के बीच दुनिया की एक नई बहुध्रुवीय व्यवस्था बन रही है। इसे देशों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। अब फैसले लेने वाले स्वायत्त केंद्रों की संख्या भी बढ़ेगी। दुनिया का दृष्टिकोण भी पहले से ज्यादा लेन-देन पर आधारित होगा।

उन्होंने कहा, दुनिया इस समय एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसमें चीजें पहले से कहीं ज्यादा जटिल होंगी और भविष्य का अनुमान लगाना भी मुश्किल होगा। इसकी वजह है को सबसे ऊपर रखने वाले देशों की बढ़ती



संख्या। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में संघर्ष, तनाव, अनिश्चितता और अस्थिरता देखने को मिल रही है। इनका असर देशों पर पड़ रहा है।

कैसी होगी भविष्य की दुनिया?

जयशंकर एक प्रमुख समाचार पत्र के समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, यही उस दौर की सोच और पहचान होगी, जिसमें हम प्रवेश कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप इसे अराजकता के रूप में देखें। लेकिन निश्चित रूप से देशों के बीच मुकाबला ज्यादा कड़ा होगा। देश अपने राष्ट्रीय हितों को ज्यादा मजबूती से सामने रखेंगे। इस लिहाज से दुनिया स्वाभाविक रूप से ज्यादा अस्थिर होगी।

उन्होंने कहा, नई विश्व व्यवस्था ज्यादा बहुध्रुवीय होगी। इसमें स्वतंत्र रूप से फैसले लेने वाले केंद्रों की संख्या भी काफी ज्यादा होगी। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर देश अपने विकल्पों और फैसलों में राष्ट्रीय हितों को ज्यादा प्राथमिकता देंगे।

आज टैबलेट वितरण अभियान का शुभारंभ करेंगे सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार (15 नवंबर) को जनजातीय गौरव दिवसके अवसर पर स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अंतर्गत 25 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। लखनऊ के बसंत कुंज स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित होने वाले इस समारोह में पहले दिन 50,000 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे। योजना के इस चरण के शुभारंभ अवसर पर लखनऊ के साथ-साथ पड़ोसी जनपदों हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के कुल 300 शैक्षणिक संस्थानों के चयनित विद्यार्थियों को टैबलेट प्रदान किए जाएंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, डिप्लोमा, आईटीआई, कौशल विकास, चिकित्सा, नर्सिंग, कृषि, एमएसएमई और सेवा मित्र पोर्टल से जुड़े पंजीकृत युवाओं को डिजिटल संसाधनों से जोड़ना है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा, मंत्री दयाशंकर सिंह, राज्य मंत्री जसवन्त सिंह सैनी तथा रजनी तिवारी, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. लाल जी प्रसाद निर्मल, मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह, उमेश द्विवेदी और विधायकगण जय देवी, डॉ. नीरज बोरा, ओ.पी. श्रीवास्तव, योगेश शुक्ला व अमरेश कुमार मौजूद रहेंगे।



दिल्ली के 250 वार्ड में प्रत्येक मंगलवार को चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर एवं कूड़ामुक्त बनाने के संकल्प को और अधिक प्रभावी गति प्रदान करते हुए दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने राजधानी के सभी 250 वार्डों में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक विशेष सघन स्वच्छता अभियान आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

यह अभियान 24 नवंबर से शुरू होगा। इस अभियान का उद्देश्य यमुना स्वच्छता अभियान की तर्ज पर दिल्ली की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना, कूड़ा संवेदनशील स्थलों का पूर्ण उन्मूलन करना तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देना है।

महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि विशेष सघन स्वच्छता अभियान में आवश्यक है कि निगम के सभी विभाग, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी आपसी समन्वय के साथ जमीनी स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाएं।

महापौर ने बताया कि प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले इस विशेष अभियान में संबंधित क्षेत्र के सांसद, विधायक, निगम पार्षद, निगमायुक्त, क्षेत्रीय उपायुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहभागिता करेंगे। प्रत्येक वार्ड में कम से कम दो किलोमीटर क्षेत्र में विशेष सफाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अंतर्गत सड़कों, गलियों, फुटपाथों, सार्वजनिक स्थलों, खाली भूखंडों तथा कूड़ा संवेदनशील स्थलों की विशेष सफाई की जाएगी। अभियान का विशेष जोर ऐसे स्थानों पर रहेगा जहां बार-बार कूड़ा एकत्रित होता है और जहां नियमित सफाई के बावजूद गंदगी की समस्या बनी रहती है।

महापौर ने सभी निगम पार्षदों को अपने-अपने वार्डों में चिन्हित कूड़ा संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण करने तथा वहां सफाई की स्थिति का जायजा लेने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाना है, उनकी पूर्व सूचना कम से कम दो दिन पहले महापौर कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि अभियान की प्रभावी निगरानी एवं समुचित समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही, संबंधित स्थलों की सफाई से पहले और सफाई के बाद की तस्वीरें अनिवार्य रूप से ली जाएं तथा उन्हें सोशल मीडिया और महापौर कार्यालय के साथ साझा किया जाए, जिससे अभियान के परिणामों का पारदर्शी मूल्यांकन किया जा सके।

उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था में जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अपने कर्तव्यों का उत्कृष्ट निर्वहन करने वाले सफाई सैनिकों एवं स्वच्छता कर्मियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाएगा। महापौर ने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी, इस विशेष अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक मंगलवार को निर्धारित समय पर अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि



जनभागीदारी, बेहतर निगरानी, अधिकारियों की जवाबदेही और सफाई कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से दिल्ली की स्वच्छता व्यवस्था में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन देखने को मिलेगा।

कांग्रेस नेताओं ने राजीव भवन में पंडित नेहरू को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु की 126वीं जयंती पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में उनकी तस्वीर पर पुष्पाजंलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी।

पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में देवेंद्र यादव के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, सचिव प्रभारी दानिश अबरार, प्रदेश महासचिव धर्मपाल चंदेला, प्रमोद जयंत, जय प्रकाश, दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह, जिला अध्यक्ष राजेश यादव और महेंद्र मंगला, पूर्व जिला अध्यक्ष सतबीर शर्मा, एससी विभाग



चेयरमैन संजय नीरज, नरेश शर्मा नीटू, पंकज गुप्ता और योगेश जैन मुख्य रुप से मौजूद रहे।

देवेंद्र यादव ने कहा कि नेहरु ने आजादी के बाद जिस तरह देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम करके दूरदर्शिता के साथ हर वर्ग के विकास, कल्याण और समानता बनाने का काम किया था। युवाओं की शिक्षा और रोजगार के लिए जो रास्ते बनाए उनके बाद ही भारत दुनिया में सुदृढ़ बना, जिसका उदाहरण आज दुनिया में देश के युवा अपनी शिक्षा शक्ति के बलबूते वहां अपना लोहा मनवा रहे है। आज जो सशक्त युवा शक्ति देश और दुनिया के विकास की रीढ़ बनी है उसकी नींव पंडित जवाहरलाल नेहरु ने भारत को एक गणतंत्र देश बनाकर रखी थी।

यादव ने कहा कि पंडित नेहरु की लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच ने भारत को अलग पहचान दी और संविधान का गठन होने के बाद हर नागरिक को वोट देने का अधिकार देकर करोड़ों देशवासियों को सरकार चुनने का अधिकार दिया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में किया 'दिल्ली मंडप' का उद्घाटन



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ-2026) में दिल्ली मंडप का उद्घाटन किया। मंडप के उद्घाटन अवसर पर बच्चों द्वारा शास्त्रीय कथक नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। इसके बाद उन्होंने विभिन्न स्टॉल का भ्रमण किया और प्रतिभागियों से संवाद कर उनके उत्पादों, कार्यों एवं उद्यमों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई दिल्ली केवल देश की राजधानी ही नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, विविध संस्कृति, उद्यमशीलता और आधुनिक विकास का भी प्रतीक है। दिल्ली मंडप के माध्यम से राजधानी की इसी बहुआयामी पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष आईआईटीएफ में दिल्ली को फोकस स्टेट के रूप में विशेष स्थान मिला है, जो राजधानी की बढ़ती आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक पहचान को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मंडप के माध्यम से राजधानी की गौरवशाली विरासत और आधुनिक विकास यात्रा को एक साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। यह मंच दिल्ली के उद्यमियों, महिला कारोबारियों, शिल्पकारों और स्थानीय उत्पादकों को अपनी प्रतिभा व उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास राजधानी की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हुए विकास, नवाचार, उद्यमिता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने लाने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली मंडप का कुल क्षेत्रफल 996 वर्ग मीटर है, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के कुल 62 स्टॉल लगाए गए हैं। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें विशेष प्राथमिकता देते हुए दस स्टॉल आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 14 स्टॉल सरकारी विभागों एवं संस्थानों, 25 निजी प्रदर्शकों, छह प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (पीएमएफएमई) के प्रतिभागियों और सात स्टॉल एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) और ओडीओपी निर्यातकों को दिए गए हैं। इन स्टॉल के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने उत्पादों, सेवाओं और उद्यमशील क्षमताओं को व्यापक बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएसआईआईडीसी) को दिल्ली मंडप की नोडल एजेंसी बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मंडप में राजधानी की कला, संस्कृति, ऐतिहासिक पहचान और समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के साथ-साथ नमो वन, स्वच्छ यमुना और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने जैसी पर्यावरण एवं विकास संबंधी पहलों को भी प्रमुखता दी गई है। इसके माध्यम से आगंतुकों को दिल्ली में हो रहे विकास कार्यों, पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों और भविष्य की विकास प्राथमिकताओं की जानकारी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मंडप केवल सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों के प्रदर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि स्थानीय उद्यमियों, शिल्पकारों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और उत्पादकों को नए बाजारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। उन्होंने कहा कि यहां महिला उद्यमियों को विशेष स्थान देकर सरकार ने उनकी आर्थिक भागीदारी और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया है। निजी प्रदर्शकों, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रतिभागियों को भी अपने उत्पादों एवं क्षमताओं को देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। इससे स्थानीय उत्पादों को नई पहचान और उद्यमियों को संभावित खरीदारों एवं बाजारों से जुड़ने में मदद मिलेगी।

छठ महापर्व की तैयारियों का स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने लिया जायजा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने शनिवार को आईटीओ स्थित हाथी घाट पहुंचकर छठ महापर्व के आयोजन की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और मच्छरों की रोकथाम के लिए किए जा रहे इंतजामों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं।

सत्या शर्मा ने कहा कि छठ महापर्व दिल्ली की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित करना निगम की जिम्मेदारी है कि उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाटों पर नियमित सफाई कराई जाए, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था रहे और मच्छरों की रोकथाम के लिए दवाइयों का छिड़काव लगातार किया जाए।

उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और छठ पूजा समितियों से निरंतर संपर्क बनाए रखें। समितियों की ओर से मिलने वाले सुझावों और आवश्यकताओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों से तैयारियों की नियमित समीक्षा करने और पर्व से पहले सभी कार्य पूरे करने को भी कहा।

सत्या शर्मा ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से इस वर्ष छठ महापर्व के आयोजन के लिए पूरी दिल्ली में लगभग 1,400 घाटों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए विभिन्न स्थानों पर कृत्रिम घाट



भी तैयार किए जा रहे हैं। इससे लोगों को अपने घरों के नजदीक ही छठ पूजा करने का अवसर मिलेगा और अधिक से अधिक श्रद्धालु श्रद्धा एवं उल्लास के साथ इस महापर्व में शामिल हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम छठ पर्व को सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। निगम के अधिकारी और कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि पर्व के दौरान घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छता, रोशनी और अन्य आवश्यक सुविधाओं के मामले में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

लोकआस्था के महापर्व में व्रतियों के बीच पहुंचेंगी मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। छठ महापर्व के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी व्रतियों के बीच पहुंचकर पूजा में शामिल होंगी। रविवार को सोनिया विहार में अस्ताचलगामी सूर्य को मुख्यमंत्री अर्घ्य देंगी और सोमवार सुबह हाथी घाट पर उगते हुए सूर्य की पूजा-अर्चना करेंगी। छठ पर्व की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री स्वयं निगरानी रख रही हैं। दिल्ली सरकार के अनुसार मुख्यमंत्री रविवार शाम सोनिया विहार स्थित छठ घाट पहुंचेंगी। यहां वह छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं से मुलाकात करेंगी तथा उनके साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगी। इसके अगले दिन सोमवार की सुबह मुख्यमंत्री आईटीओ स्थित हाथी घाट पहुंचेंगी। यहां सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया और भगवान सूर्य की आराधना करेंगी। सरकार ने राजधानी में 1400 से अधिक छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा व सहजता के साथ इस महापर्व को मना सकें।

घाटों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर घाटों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि छठ घाटों पर आने वाले किसी भी व्रती या श्रद्धालु को असुविधा नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए हैं कि बड़े छठ घाटों पर संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मौजूद रहें, ताकि किसी भी तरह की समस्या सामने आने पर उसका तत्काल समाधान किया जा सके।

संसद सुरक्षा चूक मामले में दोनों आरोपियों को झटका, राउज एवेन्यू कोर्ट ने खारिज की दूसरी जमानत याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 14 नवंबर (वेब वार्ता)। संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में कोर्ट ने दो आरोपित मनोरंजन डी और सागर शर्मा की दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश किरण बंसल ने शुक्रवार को पारित आदेश में कहा कि आरोपितों के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होते हैं। कोर्ट ने कहा कि उनकी हरकतों से न केवल लोकसभा की कार्यवाही बाधित हुई, बल्कि देश की संप्रभुता और अखंडता को भी खतरा पहुंचा। अदालत ने कहा कि आरोपितों के कृत्य से संसद में मौजूद सांसदों और आगंतुकों के मन में आतंक पैदा हुआ था।

आरोपियों को राहत नहीं

अदालत ने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 43डी(5) के तहत जमानत देने पर कड़ी पाबंदियां हैं। ऐसे में केवल मुकदमे की सुनवाई में देरी या लंबे समय से जेल में रहने के आधार पर आरोपियों को राहत नहीं दी जा सकती।

जूते में छिपाकर लाए थे स्मोक केनिस्टर

अभियोजन के अनुसार, 13 दिसंबर 2023 को दोपहर करीब एक बजे लोकसभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण चल रहा था। इसी दौरान सागर शर्मा और मनोरंजन डी दर्शक दीर्घा संख्या चार से सदन के मुख्य कक्ष में कूद गए। आरोप है कि सागर ने खाली सीटों को पार करते हुए सदन के वेल की ओर बढ़कर अपने जूते में छिपाया गया स्मोक केनिस्टर निकाला और उससे रंगीन धुआं छोड़ दिया। मनोरंजन ने भी सदन के भीतर धुआं फैलाने वाला केनिस्टर खोला। इससे लोकसभा के भीतर पीला धुआं फैल गया। सांसदों और संसद कर्मचारियों ने दोनों को पकड़ लिया। घटना के बाद लोकसभा की कार्यवाही तत्काल स्थगित करनी पड़ी। इसी दौरान संसद भवन के बाहर नीलम रानोलिया और अमोल शिंदे ने भी रंगीन धुएं के केनिस्टर छोड़े और नारेबाजी की। मामले में ललित झा और महेश कुमावत को भी गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट से मिल चुकी है जमानत

बचाव पक्ष ने दलील दी थी कि मामले के अन्य आरोपितों को दिल्ली हाई कोर्ट से जुलाई 2025 में जमानत मिल चुकी है, इसलिए मनोरंजन और सागर को भी समानता के आधार पर राहत दी जानी चाहिए। हालांकि, अदालत ने इस दलील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि दोनों आरोपित संसद के मुख्य कक्ष में दाखिल हुए थे और दर्शक दीर्घा से कूदकर कार्यवाही बाधित की थी। वहीं, नीलम संसद भवन के बाहर ही रही थीं और अंदर जाने से इन्कार कर दिया था। महेश कुमावत घटना के दिन दिल्ली में भी मौजूद नहीं था। अभियोजन ने दावा किया कि संसद में सुरक्षा चूक की घटना अचानक नहीं हुई थी, बल्कि इसकी योजना कई महीने पहले बनाई गई थी। जांच एजेंसी के अनुसार, मनोरंजन ने वर्ष 2022 में ही संसद की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी थी।

दिल्ली में दो नाबालिगों ने की बदमाश 'सोनू कांचा' की हत्या, रुपये छीनने का था विवाद; दोनों आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 14 नवंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली में नंद नगरी इलाके में रुपये छीनने से परेशान होकर दो नाबालिगों ने गुरुवार देर रात एक बदमाश की पार्क में चाकू से ताबड़तोड़ वार करके हत्या कर दी। नशा करने का पदार्थ खरीदने के लिए बदमाश ने दीवाली पर नाबालिगों से रुपये छीने थे। मृतक की पहचान नेपाल मूल के सोनू कांचा के रूप में हुई है। नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को पकड़ा है। उनकी उम्र 16 व 17 वर्ष है। पुलिस ने नाबालिगों के पास से चाकू भी बरामद कर लिया है। बदमाश सोनू कांचा पर लूट झपटमारी समेत 15 आपराधिक केस दर्ज थे।

पुलिस को देर रात सूचना मिली

पुलिस ने बताया कि गुरुवार देर रात 12:30 बजे सूचना मिली कि गगन सिनेमा के पास पार्क में खून से लथपथ एक युवक का शव पड़ा है। पास ही शराब की बोतल व ग्लास भी है। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नाबालिगों से छीने थे रुपये

वहीं, दोनों नाबालिगों ने पूछताछ में बताया कांचा उनसे मारपीट करता था और कहता था कि वे उसके लिए लूट व झपटमारी करें। दीवाली पर दोनों नाबालिगों को घर से जो रुपये मिले थे, कांचा ने वो रुपये दोनों से छीन लिए। इसके बाद दोनों नाबालिगों ने कांचा की हत्या की योजना बनाई। उन्होंने एक दुकान से तीन सौ रुपये का चाकू खरीदा। चाकू लेकर वह पार्क गए। कांचा शराब पी रहा था, उसी दौरान उन्होंने पेट, सीने, व कमर पर पांच से छह वार कर कांचा की हत्या कर दी।

गलत हरकत का विरोध करने पर की थी महिला की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुराड़ी में एक महिला की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझाते हुए आरोपी प्रमोद सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। सीसीटीवी कैमरे से पहचान करने के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। पुलिस की शुरुआती जांच और पूछताछ में सामने आया है कि गलत हरकत का विरोध करने पर आरोपी ने महिला की हत्या की थी। आरोपी ने उसके सिर पर पत्थर से कई वार कर दिए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस महिला की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक, 10 नवंबर की सुबह पुलिस को बुराड़ी के कमल विहार स्थित पंप हाउस के पास एक खाली प्लॉट में महिला की हत्या किए जाने की जानकारी मिली। महिला के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि रात में महिला को नशे की हालत में घूमते देखा था। बाद में वह सड़क किनारे बेसुध हालत में पड़ी थी। लोगों ने बताया कि महिला इस इलाके की रहने वाली नहीं थी। उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हत्या का मामला दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फुटेज में एक युवक को संदिग्ध हालात में घटनास्थल के पास देखा गया। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कमल विहार निवासी प्रमोद के रूप में हुई। शुक्रवार देर रात पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि घटना वाली रात वह शराब के नशे में था। वहां से गुजरने के दौरान उसकी नजर महिला पर पड़ी।

आईआईटीएफ़ 2026 : दिल्ली से लद्दाख और झारखंड तक... ट्रेड फेयर में दिखी 'विकास और विरासत' की अनोखी झलक; क्या है खास?



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मंडपम में 45वां इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2026 शुरू हो गया है। शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली पवेलियन का उद्घाटन किया और इस साल इसकी थीम विकास और विरासत है। 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले मेले में विभिन्न राज्यों के 3500 से ज्यादा एग्जीबिटर्स और 11 देशों के पवेलियन हैं। बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश पार्टनर स्टेट हैं, जबकि दिल्ली, असम, झारखंड और पश्चिम बंगाल फोकस स्टेट हैं। दिल्ली पवेलियन को हॉल नंबर 2-5 के प्राइम लोकेशन में जगह मिली है। दिल्ली पवेलियन में विरासत से विकास तक की रुपरेखा पेश की गई है। इसमें चांदनी चौक रीडेवलपमेंट, यमुना रिवरफ्रंट, हेल्थ और एजुकेशन मॉडल की डिजिटल है।

लद्दाख और झारखंड पवेलियन का भी हुआ उद्घाटन-आईआईटीएफ 2026 में लद्दाख पैवेलियन का उदघाटन लद्दाख के एलजी वीके सक्सेना ने किया। उनके साथ में पत्नी संगीता सक्सेना भी मौजूद रहीं। इस दौरान उन्होंने स्टॉल्स का अवलोकन भी किया। आईआईटीएफ 2026 में झारखंड पैवेलियन का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उदघाटन किया इस दौरान उन्होंने स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

एनजीटी ने जांच समिति पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिहायशी इलाके में चल रही औद्योगिक गतिविधियों से लोग परेशान थे, लेकिन जांच के लिए बनाई गई सरकारी समिति समय पर रिपोर्ट तक नहीं दे सकी। इस पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने समिति के प्रत्येक सदस्य पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला कड़कड़डूमा स्थित बाहुबली एक्सटेंशन की गली नंबर-1 का है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि रिहायशी इलाके में औद्योगिक गतिविधियों के कारण प्रदूषण फैल रहा है। इससे उसे सांस लेने में परेशानी, आंखों और गले में जलन जैसी दिक्कतें हो रही हैं। एनजीटी ने 28 अप्रैल को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), जिला मजिस्ट्रेट और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों की संयुक्त समिति बनाकर दो महीने में जांच रिपोर्ट मांगी थी।

कांग्रेस बार-बार कर रही महिलाओं का अपमान, दागी नेताओं पर कार्रवाई के बजाय दे रही इनाम: बांसुरी स्वराज

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं पर महिलाओं के सम्मान को लेकर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। इसके साथ ही झारखंड के कांग्रेस विधायक पर लगे गंभीर आरोपों से लेकर मणिपुर और उत्तराखंड में कांग्रेस के फैसलों तक, कई मुद्दों पर पार्टी नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता अपने पार्टी के दागी नेताओं पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें इनाम दे रहे हैं।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा, 'एक तरफ भारत अपनी संस्कृति पर गर्व कर रहा है और छठी मैया की पूजा कर रहा है, जो इस सृष्टि की रचना का स्रोत हैं। दूसरी तरफ, कांग्रेस किस तरह बार-बार महिलाओं का अपमान कर रही है, जो स्वयं 'शक्ति' का रूप हैं। कल भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भी है, जिसे 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह बेहद शर्मनाक बात है कि झारखंड के कांग्रेस विधायक भूषण बारा पर एक 14 साल की आदिवासी लड़की के साथ दुष्कर्म के बहुत गंभीर आरोप लग रहे हैं। जांच एजेंसियों ने इस मामले में पॉक्सो के तहत एफआईआर भी दर्ज कर ली है। ये आरोप इतने भयानक हैं कि सुनकर रूह कांप जाए। आरोप है कि विधायक ने उस मासूम लड़की को पढ़ाई और बेहतर जिंदगी का लालच दिया। इस झूठे वादे के जाल में फंसाकर वह उस 14 साल की नाबालिग को अपने पास ले आए, उससे घर के काम कराए, उसे पीटा और बाद में उसके यौन शोषण के आरोप भी सामने आए हैं।'

सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷मुझे हैरानी है कि 'पितृसत्ता को खत्म करो' जैसे खोखले नारे देने वाली कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे चुप्पी साधे हुए हैं।

मैं कांग्रेस से पूछना चाहती हूं, आप कब तक 'मौनं स्वीकृति लक्षणम्' (यानी, चुप रहने का मतलब सहमति है) के सिद्धांत पर चलते रहेंगे? क्या आपने इन आरोपों को लेकर अपने ही विधायक से कोई सवाल पूछा है? कांग्रेस पार्टी में दोहरा मापदंड एक आम बात है।

बांसुरी स्वाराज ने बिमल अकोइजम को मणिपुर चुनाव में अहम जिम्मेदारी दिए जाने पर कांग्रेस पार्टी पर घेरते हुए सांसद बांसुरी ने कहा, ÷बिमल अकोइजम को जेएनयू की 11 छात्राओं की शिकायत पर नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बावजूद कांग्रेस ने बिमल पर न कोई कार्रवाई की और न ही सवाल पूछा। इसके बदले कांग्रेस पार्टी के मौजूदा सांसद बिमोल अकोइजम को मणिपुर में होने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव समिति, प्रचार समिति और घोषणापत्र समिति का सह-अध्यक्ष बना दिया गया है। घोषणापत्र समिति में होने का मतलब है कि कांग्रेस पार्टी के संकल्प पत्र को तैयार करने में उनकी मुख्य भूमिका है। यानी, कांग्रेस पार्टी की दिशा वही तय करेंगे। जब दिशा ही इतनी गलत हो, तो जाहिर है कि पार्टी की हालत और खराब होनी ही है। यह हैरानी की बात है कि कांग्रेस पार्टी के नैतिक सिद्धांत नैतिकता पर नहीं बल्कि नारों पर चलते हैं और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ जाते हैं।'

कांग्रेस पार्टी ने हरक सिंह को उत्तराखंड चुनाव समिति का अध्यक्ष चुना है जबकि उन पर असम की महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। यह मामला महिला पुलिसकर्मी को सौंपा गया है। इससे साफ होता है कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी अपने दागी नेताओं को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि महिलाओं की गरिमा और सम्मान की बात पर राहुल गांधी चुप्पी साध लेते हैं। उन्होंने कहा, ÷एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिनके अथक प्रयासों और विकास-उन्मुख नीतियों में महिलाओं को केवल लाभार्थी



के रूप में नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माता और आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में देखा जाता है। दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं, जो केवल 'पितृसत्ता को खत्म करो' जैसे खोखले नारे लगाते हैं और जब महिलाओं की गरिमा और सम्मान की बात आती है, तो मौन धारण कर लेते हैं लेकिन जनता सब जानती है। राहुल गांधी, मैं आपको एक बार फिर याद दिला दूं, आने वाले चुनावों में महिला मतदाता आपसे जवाबदेही मांगेंगी और कांग्रेस पार्टी को उसके हर उस रुख के लिए जिम्मेदार ठहराएंगी जो महिलाओं के खिलाफ रहा है।'

मुख्यमंत्री ने उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित 'धरोहर' कार्यक्रम को सम्बोधित किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की 06 दशकों से अधिक की यात्रा प्रदेश की संगीत, नृत्य और नाट्य परम्पराओं को सहेजने तथा आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। संस्थान ने अपनी गतिविधियों को केवल लखनऊ के सभागारों तक सीमित न रखकर प्रदेश के सभी अंचलों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। प्रदेश सरकार संगीत, नृत्य, नाट्य और लोककलाओं की समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी को पूरा सहयोग प्रदान करेगी। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आज यहां उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित 'धरोहर' कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा वाद्य यंत्रों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियों का अवलोकन किया तथा उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में अकादमी की यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार वरिष्ठ कलाकारों के सम्मान, लोक कलाकारों के संरक्षण और युवा प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। कलाकारों को मानदेय, वरिष्ठ प्रतिभाओं को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान तथा विभिन्न सांस्कृतिक मंचों के माध्यम से लोक एवं शास्त्रीय कलाकारों को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। भारत में संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मा की अभिव्यक्ति और परमात्मा की आराधना का सशक्त माध्यम रहा है। भारतीय मनीषा ने संगीत को साधना, आध्यात्मिक चेतना और जीवन के अनुशासन से जोड़ा है। हमारी संगीत परम्परा का प्रारम्भ प्रणव ओंकार और नाद की ध्वनि से माना गया है। भगवान शिव के डमरू से निकले 14 माहेश्वर सूत्रों को वर्णमाला, भाषा और की उत्पत्ति से जो ?ा जाता है। संस्कृत और तमिल भाषाओं की परम्पराओं में भगवान शिव को ध्वनियों की उत्पत्ति का आधार माना गया है। कहीं उन्हें लोकमंगल के देवता, कहीं आदिनाथ और कहीं नटराज के रूप में आराध्य माना गया है। माँ सरस्वती की वीणा और योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी भी संगीत के उसी आध्यात्मिक स्वर से जुड़ी हैं, जो सम्पूर्ण चराचर जगत में नाद के रूप में व्याप्त है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महर्षि भरत के नाट्यशास्त्र से लेकर आधुनिक रंगमंच तक भारतीय कला और संगीत की समृद्ध परम्परा रही है। उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा है। यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, संगीत, नृत्य, नाट्य और लोककलाओं ने भारतीय संस्कृति को विशिष्ट पहचान प्रदान की है। लखनऊ, बनारस, आगरा, किराना, रामपुर-सहसवान, शाहजहांपुर और इटावा जैसे संगीत घरानों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अलग-अलग रंग, शैली और पहचान प्रदान की है। पं0 बिरजू महाराज और गुरु लच्छू महाराज जैसे महान गुरुओं ने कथक को वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। पद्म विभूषण से सम्मानित गिरिजा देवी की ठुमरी और बेगम अख्तर की गायकी ने उत्तर प्रदेश की संगीत विरासत को अन्तरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ध्रुपद, ठुमरी, दादरा, टप्पा, कजरी, चैती और होरी जैसी, संगीत विधाएं हमारी सांस्कृतिक विविधता की परिचायक हैं। उत्तर प्रदेश की लोककलाओं की परम्परा अत्यंत समृद्ध है। ब्रज की रासलीला और संकीर्तन, अवध की रामलीला, पूर्वांचल का बिरहा, कजरी और सोहर तथा बुन्देलखण्ड का आल्हा और राई हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। नौटंकी, स्वांग और लोकनाट्य परम्पराओं ने पीढ़ियों तक मनोरंजन के साथ समाज को शिक्षा, संस्कार और जीवन की सीख देने का कार्य किया है। भारतीय कला परम्परा की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गुरु-शिष्य परम्परा है। गुरु अपने शिष्य को केवल सुर, ताल, भाव और अभिनय की तकनीक नहीं सिखाता, बल्कि जीवन का अनुशासन, धैर्य, समर्पण और साधना का संस्कार भी प्रदान करता है। बिना समर्पण के किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त नहीं की जा सकती। मंच पर कलाकार भले ही अकेला दिखाई देता हो, लेकिन उसकी प्रस्तुति के पीछे वर्षों का अभ्यास, गुरु का आशीर्वाद और पीढ़ियों का अनुभव होता है। यही अनुभव गुरु से शिष्य और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचता है तथा अभिनय और कला की प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज के सामने अभिव्यक्त होता है। किसी राष्ट्र को लम्बे समय तक गुलाम बनाए रखना हो, तो उसकी संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास किया जाता है। भारत ने भी ऐसे अनेक षड्यंत्रों और विपरीत परिस्थितियों का सामना किया है। लोककला और लोकगाथाओं ने भारत की आत्मा को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दुनिया की अनेक सभ्यताएं और संस्कृतियां समय के साथ समाप्त हो गईं, लेकिन भारत आज भी अपनी हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक यात्रा को निरन्तर आगे बढ़ा रहा है। भारत की सनातन संस्कृति का भाव न तलवार से मिटाया जा सकता है और न मानसिक गुलामी के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है। हमारी लोक परम्पराओं और लोक संस्कृति ने भारत की पहचान, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक गौरव को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा है। यही हमारी सांस्कृतिक आत्मा की वास्तविक शक्ति है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के बाद भी अनेक लोककलाएं, पारम्परिक वाद्य यंत्र और सांस्कृतिक विधाएं अपेक्षित संरक्षण एवं प्रोत्साहन से वंचित रहीं। लोक कलाकारों को पर्याप्त मंच नहीं मिल पाया और संस्कृति का दायरा कुछ चुनिंदा आयोजनों तक सीमित होता गया। हमें समझना होगा कि जब कोई लोकधुन समाप्त होती है तो उसके साथ केवल संगीत की एक विधा नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्मृतियां, परम्पराएं और पीढ़ियों का अनुभव भी लुप्त हो जाता है। संस्कृति की उपेक्षा का अर्थ अपनी पहचान के महत्वपूर्ण अध्यायों को खो देना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देशवासियों को अपनी विरासत पर गर्व करने और विकास के साथ सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का मंत्र दिया था। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए हमें अपनी हजारों वर्ष पुरानी विरासत के प्रति गौरव का भाव रखना होगा। आज भारत आर्थिक शक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है और अपनी सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से दुनिया को आकर्षित कर रहा है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, नृत्य और पारम्परिक कलाएं भारत की वैश्विक पहचान तथा सॉफ्ट पावर का महत्वपूर्ण आधार बन रही हैं। विगत साढ़े 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री जी के इसी विजन को विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के माध्यम से धरातल पर उतारने का प्रयास किया है। एक ओर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, औद्योगिक गलियारों, डेटा सेण्टर और ए0आई0 सिटी के माध्यम से 21वीं सदी के आधुनिक उत्तर प्रदेश



का निर्माण किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर काशी, अयोध्या, मथुरा और ब्रज क्षेत्र जैसे सांस्कृतिक केन्द्रों को पुनर्स्थापित कर उन्हें सांस्कृतिक चेतना के केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। हाल ही में अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक परम्पराओं को भव्यता के साथ दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का माध्यम बना है। अयोध्या में दीपोत्सव के आयोजन के दौरान पूरी दुनिया की निगाहें उत्तर प्रदेश पर केन्द्रित होती हैं। आगामी 24 नवम्बर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर काशी में देव दीपावली का आयोजन होगा। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर का निर्माण, काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम, माँ विंध्यवासिनी कॉरिडोर का निर्माण और नैमिषारण्य की सांस्कृतिक विरासत को आगे ब?ाने के प्रयास इसी सांस्कृतिक पुनर्जागरण की कड़ी हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अकादमी द्वारा प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं का आयोजन नई पी?ी को कला से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसी प्रकार 24 केन्द्रों पर शास्त्रीय एवं सुगम संगीत की प्रतियोगिताओं के आयोजन से प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें प्रोत्साहित करने का अवसर मिला है। अवध संध्या, घराना कार्यक्रम, नमन, यादें और पुष्पांजलि जैसे आयोजनों ने मूर्धन्य कलाकारों की स्मृतियों को सम्मान देने के साथ नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। हमारा लक्ष्य केवल लुप्त होती कलाओं को बचाना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें इतना समर्थ बनाना चाहिए कि वे आने वाली पी?ियों की आजीविका, पहचान और गौरव का आधार बन सकें। उत्तर प्रदेश ने जिस प्रकार 'एक जनपद-एक उत्पाद' (ओ0डी0ओ0पी0) के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है और 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओ0डी0ओ0सी0) की पहल को आगे बढ़ाया है। अब 'एक जनपद-एक कला' (ओ0डी0ओ0ए0) कार्यक्रम को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना विगत 09 वर्षों से उत्तर प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना रही है। इसके माध्यम से प्रदेश का निर्यात 02 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचाने में मदद मिली है। लाखों नौजवानों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों के लिए यह योजना रोजगार और स्वरोजगार का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। विगत दिनों एक समाचार पत्र समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्हें ओ0डी0ओ0सी0 पहल से जुड़ने का अवसर मिला। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य पदार्थ आपूर्ति करने वाली कम्पनियों में शामिल नेस्ले का वार्षिक कारोबार उत्तर प्रदेश सरकार के बजट के बराबर है। जब खाद्य पदार्थों के क्षेत्र में कार्यरत एक कम्पनी इतना बड़ा कारोबार कर सकती है तो उत्तर प्रदेश के पारम्परिक व्यंजनों को 'एक जनपद-एक व्यंजन' के माध्यम से वैश्विक बाजार तक पहुंचाकर इतनी बड़ी सम्भावनाएं क्यों नहीं विकसित की जा सकतीं। पश्चिमी संगीत तात्कालिक रूप से लोगों को आकर्षित कर सकता है, लेकिन मानसिक शान्ति और साधना के आध्यात्मिक भाव को समझने के लिए भारतीय संगीत और पारम्परिक संगीत की अपनी विशिष्ट भूमिका है। इसलिए प्रदेश की कला परम्पराओं को आर्थिक गतिविधियों और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ना आवश्यक है। संगीत नाटक अकादमी, भारतेंदु नाट्य अकादमी, बिरजू महाराज कथक संस्थान, राज्य ललित कला अकादमी तथा अन्य सांस्कृतिक संस्थाओं के अध्यक्षों और पदाधिकारियों को प्रदेशभर के कलाकारों को एक मंच पर लाने का प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न शहरों और जनपदों में प्रत्येक दिन अथवा कम से कम सप्ताह में एक दिन किसी उपयुक्त सार्वजनिक स्थान या चौराहे पर कलाकारों की प्रस्तुतियां आयोजित करने का प्रयास होना चाहिए। ऐसे स्थानों का चयन किया जाए जहां यातायात बाधित न हो, पर्याप्त जगह उपलब्ध हो और लोग आसानी से कलाकारों की प्रस्तुतियां देख एवं सुन सकें। संस्कृति विभाग को ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे नवोदित कलाकारों को मंच मिलेगा और आमजन को अपनी स्थानीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। कहीं नाट्य प्रस्तुति, कहीं संगीत, कहीं पारम्परिक वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन और कहीं अन्य लोककलाओं की प्रस्तुति हो। प्रत्येक जनपद की विशिष्ट कला और उसकी पहचान को सामने लाने का प्रयास होना चाहिए। प्रदेश में इस क्षेत्र से जड़े अनेक अनुभवी कलाकार मौजूद हैं। उनका सहयोग लेकर इस अभियान को आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक समृद्ध दिशा मिलेगी। आज दुनिया तेजी से बदल रही है। तकनीक, डिजिटल माध्यम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने अभिव्यक्ति के नए अवसर खोले हैं। युवा कलाकारों को इन माध्यमों का उपयोग करना चाहिए, नए प्रयोग करने चाहिए और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। लेकिन इस प्रक्रिया में अपनी मिट्टी की सुगंध, लोकधुन, गुरु की सीख और सांस्कृतिक जड़ों को कभी नहीं भूलना चाहिए। पहले लैंडलाइन फोन का उपयोग होता था, फिर स्मार्टफोन आ गया। तकनीक में बदलाव का अर्थ यह नहीं है कि हम अपने परिवार के साथ समय बिताना छो? दें अथवा माता-पिता से दूर हो जाएं। तकनीक का उद्देश्य जीवन को सहज बनाना है। वह जीवन का एक माध्यम हो सकती है, लेकिन जीवन का सब कुछ नहीं हो सकती। आज बच्चों ने लुप्तप्राय पारम्परिक वाद्य यंत्रों का वादन करके यह भरोसा भी दिलाया है कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मानव संसाधन की कमी को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक बोर्ड अथवा समिति गठित कर चयन प्रक्रिया पूरी की जाए।

पैथोलॉजी लैब और डॉक्टरों की मिलीभगत पर शिकंजा, गड़बड़ी मिलने पर लैब सील होगी, निलंबित होगा पंजीयन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निजी पैथोलॉजी लैब और चिकित्सकों की कथित मिलीभगत से जांच रिपोर्ट में हेराफेरी कर मरीजों के आर्थिक शोषण की शिकायतों पर स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। शासन तक पहुंची शिकायतों के बाद स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव के निर्देश पर पूरे प्रदेश में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को 30 दिनों के भीतर निजी पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर और कलेक्शन सेंटर का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच में अनियमितता मिलने पर लैब का पंजीकरण निलंबित या निरस्त करने के साथ उसे सील किया जाएगा और एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी। स्वास्थ्य महानिदेशक की ओर से सभी सीएमओ को भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि संदिग्ध पैथोलॉजी लैब को तत्काल चिह्नित किया जाए। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में जांच समिति गठित होगी। इसमें राजकीय चिकित्सालय या मेडिकल कॉलेज का वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट और



क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट पंजीकरण का नोडल अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होगा। समिति संबंधित लैब के सैंपल और रिपोर्ट रजिस्टर, मशीनों व एनालाइजर का मूल डाटा और प्रिंटआउट, बिलिंग रिकॉर्ड तथा कलेक्शन एजेंटों को किए गए भुगतान के अभिलेख अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित करेगी। जांच में लैब का पंजीकरण, योग्य पैथोलॉजिस्ट की वास्तविक उपस्थिति, रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति की योग्यता और संबंधित चिकित्सकों की भूमिका की पड़ताल की जाएगी। प्रथम दृष्टया अनियमितता, योग्य पैथोलॉजिस्ट की अनुपस्थिति या रिपोर्ट में हेराफेरी के साक्ष्य मिलने पर लैब का पंजीकरण निलंबित कर उसे सील करने और एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई होगी। जांच आख्या और कार्रवाई का विवरण सात दिन के भीतर महानिदेशालय को भेजना होगा। प्रदेशव्यापी विशेष अभियान के तहत सभी जिलों में संचालित पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर और कलेक्शन सेंटर का निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण टीम में अपर या उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ एक पैथोलॉजिस्ट भी अनिवार्य रूप से शामिल रहेगा। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। अपंजीकृत, योग्य पैथोलॉजिस्ट के बिना या अनधिकृत व्यक्ति द्वारा संचालित लैब को तत्काल बंद कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य महानिदेशक ने चिकित्सकों, निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम के लिए भी स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। कोई भी चिकित्सक मरीज को किसी लैब में भेजने के बदले कमीशन, कट, उपहार या अन्य लाभ नहीं मांगेगा और न ही स्वीकार करेगा। निर्देश में इसे भारतीय चिकित्सा परिषद के व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार एवं नैतिकता विनियम, 2002 के विनियम 6.4 और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के प्रचलित नियमों के तहत गंभीर व्यावसायिक कदाचार बताया गया है। किसी चिकित्सक की ओर से रिपोर्ट में बदलाव के लिए दबाव डालने या ऐसी मांग करने को आपराधिक षड्यंत्र माना जाएगा। प्लेटलेट्स, क्रिएटिनिन और टीएलसी जैसे गंभीर असामान्य परिणामों के आधार पर मरीज को भर्ती करने या गंभीर उपचार शुरू करने से पहले, जहां संभव हो, दूसरी पंजीकृत या प्रत्यायित लैब से जांच कराकर पुष्टि करने को कहा गया है। इसका उल्लेख मरीज की केस शीट में भी करना होगा। सीएमओ निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में भर्ती मरीजों के रिकॉर्ड का औचक ऑडिट कराएंगे। विशेष रूप से डेंगू और अन्य संक्रामक रोगों के मौसम में संदिग्ध रिपोर्टों का राजकीय लैब से सत्यापन कराया जाएगा।

मौसम और प्रदूषण के दोहरे वार से बढ़ी दमा के मरीजों की परेशानी

गाजियाबाद। मौसम में बदलाव और बढ़ते प्रदूषण ने दमा के मरीजों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सुबह और शाम की ठंडक, हवा में मौजूद धूल के कण और प्रदूषित वातावरण सांस के मरीजों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में सांस संबंधी समस्याओं के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। एमएमजी अस्पताल में रोजाना 150 से 200 मरीज सांस संबंधी परेशानी लेकर पहुंच रहे हैं, जबकि संयुक्त जिला अस्पताल में प्रतिदिन 35 से 40 मरीज उपचार करा रहे हैं। चिकित्सकों के मुताबिक मौसम में बदलाव के दौरान सांस की नलियों में सूजन और सिकुड़न की समस्या बढ़ सकती है। वहीं, प्रदूषण के महीन कण फेफड़ों तक पहुंचकर सांस लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। ऐसे में दमा के मरीजों को दवाओं के नियमित सेवन के साथ बचाव के उपाय अपनाने की जरूरत है। वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ व आईएमए के सबब बन रहा है। सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में सांस संबंधी समस्याओं के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। एमएमजी अस्पताल में रोजाना 150 से 200 मरीज सांस संबंधी परेशानी लेकर पहुंच रहे हैं, पूर्व अध्यक्ष डॉ. आशीष अग्रवाल का कहना है कि मौसम में बदलाव और प्रदूषण का असर दमा के मरीजों पर अधिक पड़ता है। पुराने मरीजों की सांस की नलियां पहले से संवेदनशील होती हैं। प्रदूषण के संपर्क में आने से उनमें सूजन बढ़ सकती है। मरीजों को नियमित दवा लेने के साथ प्रदूषण से बचाव करना चाहिए। एमएमजी अस्पताल के छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. इमरान खां ने बताया कि ओपीडी में रोजाना 150 से 200 सांस संबंधी मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें दमा और सांस की अन्य समस्याओं से पीड़ित मरीज भी शामिल हैं। मरीजों को सलाह दी जा रही है कि वे बिना चिकित्सकीय परामर्श के इनहेलर बंद न करें। परेशानी बढ़ने पर तत्काल अस्पताल पहुंचकर जांच कराएं।

रेव मोती मॉल में महिला मित्र से कहासुनी के बाद दूसरी मंजिल से कूदा युवक, मौत

कानपुर। सर्वोदय नगर स्थित रेव मोती मॉल में बुधवार रात को महिला मित्र के साथ पहुंचे युवक ने दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। नीचे गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले रतनदीप अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर रीजेंसी अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान चमनगंज निवासी सिकंदर (28) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सिकंदर अपनी महिला मित्र के साथ मॉल आया था। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद उसने अचानक दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। युवक को नीचे गिरता देख मॉल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना पर काकादेव पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। महिला मित्र से किस बात को लेकर विवाद हुआ था और किन परिस्थितियों में सिकंदर ने यह कदम उठाया, इसकी पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर घटना को प्रेम प्रसंग से जोड़कर भी देखा जा रहा है, हालांकि विवाद की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

डीएम कंपाउंड में अधिकारी के बंगले को चोरों ने बनाया निशाना, नकदी-जेवर समेत लाखों की चोरी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में सुरक्षित माने जाने वाले डीएम कंपाउंड में चोरों ने सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक के बंगले को निशाना बनाया। चोर बंगले का ताला तोड़कर 65 हजार रुपये की नकदी और करीब 3.80 लाख रुपये कीमत के सोने-हीरे के जेवरात चोरी कर ले गए। वारदात को उस समय अंजाम दिया गया, जब केयरटेकर खाना खाने के लिए घर गया था। महज ढाई घंटे के भीतर चोरों ने बंगले में घुसकर अलमारियों के लॉक तोड़ दिए और कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना से प्रशासनिक और पुलिस महकमे में खलबली मच गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरी के खुलासे के लिए टीमें गठित की हैं। सहकारिता विभाग में तैनात सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक गणेश गुप्ता जून से ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित डीएम कंपाउंड के बंगला नंबर बी-30 में रह रहे हैं। छह नवंबर को वह दीपावली का त्योहार मनाने के लिए अपने गृह जनपद महाराजगंज चले गए थे। बंगले की देखरेख की जिम्मेदारी केयरटेकर दिलीप के पास थी। नौ नवंबर की रात करीब 7:30 बजे दिलीप खाना खाने के लिए अपने घर चला गया। रात करीब 10 बजे जब वह खाना खाकर वापस बंगले पर पहुंचा तो वहां के हालात देखकर उसके होश उड़ गए। चोरों ने बंगले के पीछे आंगन की ओर बने दरवाजे की कुंडी काट दी थी। इसके बाद घर में दाखिल होकर दोनों अलमारियों के लॉक तोड़ दिए और नकदी व जेवरात चोरी कर लिए थे। 10 नवंबर की शाम सहायक आयुक्त गणेश गुप्ता महाराजगंज से वापस शाहजहांपुर पहुंचे तो उन्हें चोरी की जानकारी हुई। घर के अंदर दोनों अलमारियों के लॉक टूटे पड़े थे। जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे 65 हजार रुपये, सोने की दो चेन, एक सोने का हार, हीरे की अंगूठी और डायमंड ईयररिंग्स नदारद थीं। चोरी हुए आभूषणों की कीमत करीब 3.80 लाख रुपये बताई गई है। उन्होंने तत्काल सदर बाजार थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी और तहरीर दी। सीओ सिटी देवव्रत वाजपेयी ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। चोरी के खुलासे के लिए टीमें गठित की गई हैं। घटनास्थल और आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है। डीएम कंपाउंड में चोरी की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी चोर यहां बंद सरकारी आवासों को निशाना बना चुके हैं। अप्रैल 2023 में एसडीएम तिलहर रहीं राशि कृष्णा का बदायूं तबादला होने के बाद चोरों ने उनके बंद क्वार्टर का ताला तोड़ दिया था। इसके बाद एसडीएम सदर रहे सुशांत श्रीवास्तव का गैर जनपद तबादला होने पर चोरों ने उनके क्वार्टर का ताला तोड़कर एक लाख रुपये का माल उड़ा दिया था। दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले में करीब आठ महीने बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया था। इसके बावजूद एक बार फिर डीएम कंपाउंड में चोरी की घटना ने परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिजनौर में बाइक सवार परिवार पर तेंदुए ने किया हमला, पति-पत्नी और तीन बच्चे घायल; एक की हालत नाजुक

बिजनौर। नहटौर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर गुलदार (तेंदुए) ने चलती बाइक पर हमला कर दिया। बाइक सवार पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक बालिका की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के ग्राम मुकरपुर सत्ती निवासी सुशील कुमार पुत्र सोहन अपनी पत्नी ममता, पुत्रियों कनक और श्रुति तथा पुत्र विवांश के साथ भैया दूज मनाने ससुराल जा रहे थे। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे उनकी बाइक नहटौर थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ा के रास्ते से गुजरते हुए ग्राम महमूदपुर स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंची। तभी अचानक पास के खेत से निकलकर आए गुलदार ने चलती बाइक पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से पूरा परिवार बाइक समेत सड़क पर गिर गया। जमीन पर गिरते ही गुलदार ने दोबारा उन पर झपटने का प्रयास किया। परिवार की चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों के शोर मचाने और साहस दिखाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। हमले में सुशील कुमार, उनकी पत्नी ममता और तीनों बच्चे घायल हो गए। घायलों में एक बालिका की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उन्होंने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए तत्काल पिंजरा लगाने और जंगल के रास्तों पर नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।

NAME CHANGE
I, Rupa Malhotra W/O Tarun Malhotra R/O D-264, Ground Floor, Sarvodaya Enclave, Malviya Nagar, South Delhi-110017 Have Changed My Name to Rupa Dutt Malhotra for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I Km Neelam Tomar D/o Randhir Singh R/o Villege Santnagar, Binauli, Baghpat, Uttar Pradesh-250645 inform that Km Neelam Tomar and Neelam Tomar Both name are one and the same person.

NAME CHANGE
I Army No. JC294008M, Rank - Sub (DMT), Name - Umesh Yadav, legally father of AARYAN YADAV, Presently Residing At Vill. Hathora, Post. Rampur, Teh. Saidpur, Distt. Ghazipur, State - Uttarpradesh, Pin - 233223, have changed my minor son name AARYAN YADAV to ARYAN YADAV for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I ALKA legally mother of Army No. JC294008M, Rank - Sub (DMT), Name - UMESH YADAV, Presently Residing At Vill. Hathora, Post. Rampur, Teh. Saidpur, Distt. Ghazipur, State - Uttarpradesh, Pin - 233223, have changed my name from ALKA to ALAKA YADAV for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, CHANDRIKA M mother of Army No-17014459W Rank-CFN Name-MANOJ M Permanent address VILL & POST-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678721, have changed my name from CHANDRIKA M to CHANDRIKA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 13/04/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, MOHANAN R father of Army no – 17014459W Rank-CFN Name-MANOJ M Permanent address VILL & POST-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678721, have changed my name from MOHANAN R to MOHANAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 22/04/1966, instead of my correct date of birth as 01/01/1967 Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
It is for general information that I, Aarvi D/o Mangaram R/o Sarsawa, Binna Kheri, Sarsawa, Saharanpur, Uttar Pradesh- 247232, declare that my name has been wrongly written as Anjum in my Aadhar Card No-496969332946. The actual name of mine is Aarvi, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Krishma, W/O Sahil, R/O 1995-B and 1995, Rani Bagh, Delhi-110034 have changed my name to Karishma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Raj Singh Mehta, S/O H S Mehta, R/O Flat No A- 603, Gulistan Residency, Sector- 13, Plot No 1B, Dwarka Sector-13, Sector West Delhi, Delhi- 110078 have changed my name to Raj S Mehta for all future purposes.

Public Notice
This is for information of General Public that my client Mr. Vikrant Panwar who is the purchasing the property from Mr. Abhay Kumar Jain and Mrs. Sulochana jain who are the owners of Property as Free hold Residential built-up Flat No. 472, on 7th Floor, Situated in the layout plan of The Sumit Vihar Co-Operative Group Housing Society Ltd., Known as GANPATI APARTMENTS, Plot No. 6, Sector-9, Dwarka, New Delhi-110075. (here in after referred to as said property). The Original Conveyance Deed dated 23.10.2003 having Registration No. 5879, dated 23.10.2003 in favour of Mr. Ajay Dayal Ahluwalia & Mrs. Parul Walia and Original Sale Deed dated 26.05.2006 having Registration No. 7225, dated 26.05.2006 in favour of Mr. Abhay Kumar Jain & Mrs. Sulochana Jain, which are the part of the title documents in chain of the property have been lost. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 15 days from the date of publication hereof together with copies of documents forming basis of such claim, failing which it shall be concluded that there is no claim whatsoever against the above stated property and my clients can proceed with their respective intended object pertaining to above stated property.
DR. RAJESH K GUPTA
Advocate
F-42/4 3, Dilshad Colony,
9315833452
advrgkotak@gmail.com

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, CHANDRIKA M mother of Army No-17014459W Rank-CFN Name-MANOJ M residing at VILL & POST-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD,

संक्षिप्त डायरी

बिरयानी होटल में युवक की गोली मारकर हत्या, पैसों के विवाद में दोस्त ने की वारदात; आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। बिहार के अररिया में जीरो माइल के पास स्थित एक बिरयानी होटल में खाना खाने के दौरान मंगल कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे आरोपी असगर को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बिहार के अररिया में शुक्रवार देर शाम एक बिरयानी होटल में हुई गोलीबारी की घटना ने शहर में सनसनी फैला दी। जीरो माइल के समीप स्थित आलम मुरादाबादी चिकन बिरयानी होटल में खाना खाने के दौरान एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जोकीहाट थाना क्षेत्र के सिकटिया निवासी मंगल कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद भाग रहे आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगल कुमार होटल में खाना खा रहे थे। इसी दौरान वहां पहुंचे असगर नामक युवक ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगते ही मंगल कुमार गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटना के बाद होटल में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच आरोपी मौके से भागने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। घायल मंगल कुमार को आनन-फानन में इलाज के लिए अररिया सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान बेलवा निवासी असगर के रूप में हुई है। उसके पास से हथियार भी बरामद किया गया है। घटना के संबंध में अररिया एसडीपीओ सुनील कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मृतक मंगल कुमार और आरोपी असगर दोनों दोस्त थे। पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद को घटना की वजह बताया जा रहा है। आशंका है कि इसी रंजिश में मंगल कुमार को गोली मारी गई। फिलहाल, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। घटना में इस्तेमाल हथियार, विवाद की वास्तविक वजह और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस वारदात के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

पराली जलाने वाले किसानों पर सख्ती, तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट होंगे; रद्द हो सकता है पंजीयन

एजेंसी

पटना। बिहार के पश्चिम चंपारण में पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्ती की तैयारी की है। ऐसे किसानों को तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट करने के साथ उनका किसान पंजीयन भी रद्द किया जा सकता है। प्रशासन सैटेलाइट से पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रख रहा है। क्षेत्रफल के लिहाज से बिहार का सबसे बड़ा जिला पश्चिम चंपारण मुख्य रूप से धान, गेहूं और गन्ने की खेती का क्षेत्र है। यहां की अधिकांश आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। जिले में गन्ने की खेती लगभग 1.49 लाख हेक्टेयर और वर्ष 2026 में धान की खेती करीब 1.31 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में की गई है। पराली जलाने वाले किसानों पर सख्ती फिलहाल, जिले के ज्यादातर प्रखंडों में धान की कटाई का काम चल रहा है। इसके बाद किसान खेत की सफाई के लिए पराली जलाते हैं। पर्यावरण और मिट्टी की उर्वरता की दृष्टि से यह उचित नहीं है। इसलिए पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई का आदेश जारी किया है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, ऐसे किसानों को तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। साथ ही उनका किसान पंजीयन भी तीन वर्षों के लिए रद्द किया जा सकता है। इतना ही नहीं, पंजीयन रद्द होने के साथ-साथ किसानों को कृषि और अन्य विभागों की विभिन्न सरकारी अनुदान योजनाओं के लाभ से भी वंचित होना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पराली जलाने से खेतों की मिट्टी की उर्वराशक्ति और गुणवत्ता प्रभावित होती है, जिससे भविष्य में फसलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण गंभीर वायु प्रदूषण फैलता है और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है। पराली का धुआं मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ जीव-जंतुओं के लिए भी बेहद हानिकारक है। यही कारण है कि इसकी रोकथाम के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन की ओर से सैटेलाइट के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। कृषि विभाग के कर्मियों के माध्यम से 'किसान पाठशाला', 'किसान गोष्ठी', 'किसान चौपाल' और बैठकों के जरिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। किसानों को पराली न जलाने और फसल अवशेषों के समुचित प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों की जानकारी दी जा रही है। पराली न जलाने वालों को प्रोत्साहन खास बात यह है कि किसानों को पराली जलाने से रोकने और इसके बेहतर प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार फसल अवशेष प्रबंधन से जुड़े कृषि यंत्रों की खरीद पर 75 से 80 प्रतिशत तक अनुदान दे रही है।

नीतीश सेतु' पर सियासी घमासान, रोहिणी आचार्य ने उठाए सवाल, सम्राट सरकार से क्या मांग की

एजेंसी

पटना। कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल का नाम पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर करने पर सियासत गरमा गई है। रोहिणी आचार्य ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी है। इतना ही नहीं उन्होंने इस पुल का नाम अपने पिता के नाम पर करने की मांग की है नीतीश सेतु किए जाने को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए पुल का नाम सामाजिक न्याय सेतु रखने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो पुल का नाम लालू प्रसाद यादव के नाम पर रखा जाना चाहिए। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर सरकार के नामकरण के फैसले पर आपत्ति जताई। उन्होंने लिखा कि राघोपुर दियारा क्षेत्र के समग्र विकास और इस इलाके को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लालू प्रसाद यादव ने लगातार गंभीर और सार्थक प्रयास किए थे। उनके मुताबिक, पुल के निर्माण की नींव मजबूत करने में लालू प्रसाद यादव की भूमिका रही है। निर्माण का श्रेय दूसरों के नाम करना अफसोसजनक रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में कहा कि ऐतिहासिक राघोपुर पुल के निर्माण का श्रेय दूसरों के नाम किए जाने का फैसला अफसोसजनक है। उन्होंने इसे राजनीतिक श्रेय लेने की कोशिश से जोड़ते हुए कहा कि केवल राजनीतिक फायदे के लिए नामकरण करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने लिखा कि राघोपुर की जनता चाहती है कि पुल का नाम या तो सामाजिक न्याय सेतु हो या फिर लालू प्रसाद यादव के नाम पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने पुल के निर्माण के फैसले की नींव मजबूत की थी। ऐसे में नामकरण के फैसले पर सवाल उठाना लाजिमी है। रोहिणी आचार्य के इस बयान के बाद राघोपुर पुल के नामकरण को लेकर राजनीतिक बहस और तेज होने के आसार हैं। एक दिन पहले सीएम सम्राट चौधरी ने की थी घोषणा दरअसल, 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राघोपुर-बिदुपुर पुल का शुभारंभ करने के लिए बिहार दौरे पर आ रहे हैं। उससे पहले 13 नवंबर को सीएम सम्राट चौधरी ने इस पुल का नाम नीतीश सेतु करने का एलान किया था। उन्होंने कहा कि अब इस पुल का नामकरण नीतीश सेतु किया गया है। पीएम मोदी 21 नवंबर को इस पुल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। नीतीश कुमार ने कहा था- सपना साकार हो गई नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इस पुल की बुनियाद रखी थी।कि आजादी के 76 साल बाद राघोपुर दियारा का इलाका राजधानी पटना से सीधे कनेक्ट हो गया है। तत्कालीन सीएम नीतीश कुमार ने कहा था कि अत्यंत खुशी हो रही है कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन गंगा पुल परियोजना के पटना से राघोपुर की सम्पर्कता का लोकार्पण किया दिया गया। इस छह लेन गंगा पुल के निर्माण के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे थे। मैंने निमार्णाधीन कार्य का नियमित निरीक्षण कर पुल का निर्माण शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया था। संतोष की बात है कि अब यह सपना साकार हो गया।

पटना के उलार सूर्य मंदिर का निर्माण भगवान कृष्ण के पुत्र ने क्यों कराया

एजेंसी

पटना। छठ महापर्व पर पटना के ऐतिहासिक उलार सूर्य मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी लाखों श्रद्धालुओं पहुंचेंगे। द्वापर काल से जुड़ी मान्यताओं के कारण इस धाम का विशेष धार्मिक महत्व है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। आइये जानते हैं पटना जिले के दुल्हिनबाजार स्थित ऐतिहासिक उलार सूर्य मंदिर (ओलार्क) में छठ महापर्व को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा से लेकर बुनियादी सुविधाओं तक के इंतजाम किए हैं। मेला परिसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से की जाएगी। छठ के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। यहां के सूर्य मंदिर का इतिहास द्वापर काल से जुड़ा है। द्वापर काल में भगवान श्री कृष्ण के पुत्र महाराजा शाम्ब ने इसका निर्माण कुष्ठ रोग



निवारण के लिए कराया था। मान्यता है कि भारतवर्ष में 11 जगहों पर और पाकिस्तान में एक जगह पर सूर्य मंदिर का निर्माण भगवान श्री कृष्ण के पुत्र राजा शाम्ब ने द्वापर युग में करवाया था। देश के प्रसिद्ध 12 अर्घ्य स्थलों में शामिल है उलार धाम पालीगंज अनुमंडल मुख्यालय के पास दुल्हिनबाजार से करीब चार किलोमीटर दक्षिण उलार गांव में स्थित ओलार्क सूर्य मंदिर का विशेष धार्मिक महत्व है। इसे देश के प्रसिद्ध 12 अर्घ्य स्थलों में शामिल माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर का संबंध भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब से जुड़ा है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से पूजा करने पर निरोगी काया और संतान सुख की प्राप्ति होती है। संतान प्राप्ति की मनोकामना पूरी होने पर मंदिर परिसर में नेटुआ और जट-जटिन नृत्य कराने की पुरानी परंपरा भी प्रचलित है। मंदिर से करीब 100 फीट की दूरी पर तीन एकड़ में फैला विशाल तालाब है। छठ के अवसर पर इसी तालाब में लाखों श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं। महर्षि गर्ग के श्राप से राजा शाम्ब को कुष्ठ रोग हो गया मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण के पुत्र राजा शाम्ब को अपने खूबसूरती पर काफी घमंड थी। एक बार वे कुछ युवतियों के साथ एक सरोवर में स्नान कर रहे थे। बताया जाता है कि उसी रास्ते से महर्षि गर्ग गुजर रहे थे। महर्षि गर्ग को देखकर राजा शाम्ब ने ना तो उनका अभिवादन किया और ना ही उनका रास्ता छोड़ा। इससे महर्षि गर्ग काफी क्रोधित हो उठे और उन्होंने राजा शाम्ब को श्राप दे दिया। महर्षि गर्ग के श्राप से राजा शाम्ब को कुष्ठ रोग हो गया। इससे वे काफी परेशान रहने लगे। 12 अलग-अलग जगहों पर सूर्य मंदिर का निर्माण करवाया कहा जाता है कि एक बार नारद मुनि की नजर राजा शाम्ब पर पड़ी। राजा शाम्ब के इस विकृत रूप को देखते ही नारद मुनि काफी दुखी हुए और उनसे इसका कारण पूछने लगे। पूरी व्यथा सुनने के बाद उन्होंने राजा शाम्ब को इस श्राप से मुक्ति दिलवाने का वचन दिया। नारद मुनि इसके लिए भगवान श्री कृष्ण के पास जाकर उनकी आराधना की और उनसे आग्रह किया कि आप इस श्राप से मुक्ति का रास्ता बताएं। तब भगवान श्रीकृष्ण ने कुष्ठ रोग से मुक्ति के लिए सार्क द्वीप से वैध के साथ-साथ सूर्य उपासक ब्राह्मणों को वहां बुलवाया। तब वहां के ब्राह्मणों ने कुष्ठ रोग से मुक्ति के लिए उन्हें 12 ग्रहों के आधार पर प्रत्येक माह एक वर्ष तक 12 अलग-अलग जगहों पर सूर्य मंदिर का निर्माण कराकर वहां पूजा-अर्चना करने की सलाह दी। इसके बाद राजा शाम्ब ने 12 जगहों पर 12 राशि के आधार पर सूर्य मंदिर का निर्माण कराया था। यह सभी 12 सूर्य मंदिर 12 जगहों पर अर्क स्थान के रूप में प्रतिष्ठित है। पटना में छठ पर्वः कल किस समय ट्रैफिक किस तरफ डायवर्ट होगा? कौन-सी सड़कें बंद, किधर रास्ता खुला रहेगा तालाब की सफाई और बैरिकेडिंग का काम पूरा छठ को देखते हुए तालाब की सफाई करा दी गई है। इसके चारों ओर बैरिकेडिंग भी पूरी कर ली गई है। पर्यटन विभाग की ओर से रोशनी और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पेयजल और आवासन की व्यवस्था भी की गई है। मेला परिसर में 24 घंटे मेडिकल टीम तैनात रहेगी। तालाब के पास कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से पूरे परिसर पर नजर रखी जाएगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मेला क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए मंदिर परिसर से करीब दो किलोमीटर पहले पार्किंग स्थल निर्धारित किया गया है। तालाब के चारों कोनों पर मजिस्ट्रेट की तैनाती सुरक्षा व्यवस्था के तहत तालाब के चारों कोनों पर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। मेला परिसर में 200 पुलिस जवान और 100 महिला पुलिसकर्मी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी गश्त करेंगे, ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। प्रशासन का जोर श्रद्धालुओं की सुरक्षित और व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करने पर है।

450 से अधिक जगहों पर पुलिस तैनात; 40 स्थान अतिसंवेदनशील

एजेंसी

पटना। छठ महापर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए नालंदा जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। जिले के 450 से अधिक चिह्नित स्थलों पर तीन पालियों में दंडाधिकारी और पुलिस बल तैनात रहेंगे। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर नालंदा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़, यातायात प्रबंधन और जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। पूरे जिले में 450 से अधिक चिह्नित स्थलों पर तीन पालियों में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र पुलिस बल तैनात किए गए हैं। वहीं, 40 स्थानों को अतिसंवेदनशील घोषित कर वहां विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। 16 नवंबर तक प्रमुख छठ घाटों पर एसडीआरएफ, स्थानीय गोताखोर और आपदा मित्रों की टीमें भी मुस्तैद रहेंगी। 450 से अधिक स्थानों पर तीन पालियों में ड्यूटी छठ पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रित करने और यातायात सुचारु रखने के लिए जिला प्रशासन ने संयुक्त आदेश जारी किया है। इसके तहत जिले के 450 से अधिक चिह्नित स्थलों पर तीन पालियों में अधिकारियों और पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से 40 स्थानों को अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा है। इन जगहों पर विशेष चौकसी बरतने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख घाटों पर 16 नवंबर तक आपदा प्रबंधन की टीमें भी तैनात रहेंगी। जिला और अनुमंडल स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय पर्व के दौरान किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए बिहारशरीफ नगर निगम परिसर स्थित आईसीसी भवन में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यहां तीन पालियों में अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा हिलसा और राजगीर अनुमंडल कार्यालयों में भी नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहेंगे।

बाहुबली अनंत सिंह को विधानसभा से राहत, सदस्यता पर नोटिस का जवाब देने के लिए इस तारीख का वक्त

एजेंसी

पटना। बाहुबली अनंत सिंह चार दिसंबर को सरेंडर करेंगे लेकिन उनकी विधानसभा की सदस्यता बरकरार कब तक रहेगी? यह सवाल खूब उठ रहा है। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा अनंत सिंह की सदस्यता खत्म करने के लिए विधानसभा में पत्र भी लिख चुके हैं। इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष ने नई जानकारी साझा की है बिहार की राजनीति में मोकामा विधायक अनंत सिंह से जुड़े दो अहम मामले चर्चा में हैं। एक तरफ दुलारचंद यादव हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उनके सामने सरेंडर कर जेल जाने की स्थिति है, तो दूसरी ओर उनकी विधानसभा सदस्यता पर भी फैसला होना बाकी है। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष की ओर से उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यता समाप्त किए जाने से जुड़े नोटिस पर जवाब दाखिल करने की समय-सीमा



बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी है। इस फैसले से अनंत सिंह को फिलहाल अपना पक्ष तैयार करने के लिए कुछ और दिन मिल गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि इस मामले में हमने अनंत सिंह से जवाब मांगा था। लेकिन, उन्होंने बेटी की शादी में व्यस्तता की बात कहकर 30 नवंबर तक का वक्त मांगा है। इसलिए 30 नवंबर तक जवाब देने का निर्देश दिया गया है। इधर, अनंत सिंह शादी की रस्में पूरी होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस का जवाब सौंप सकते हैं। उनके जवाब के आधार पर ही सदस्यता से जुड़े मामले में आगे की कार्रवाई स्पष्ट होगी। अनंत सिंह की विधायकी रहेगी या जाएगी? यह बात भी विधानसभा सत्र के दौरान स्पष्ट हो जाएगी। चार दिसंबर को सरेंडर कर देंगे अनंत सिंह विधानसभा से समय मिलने के बावजूद अनंत सिंह के लिए दुलारचंद यादव हत्याकांड से जुड़ी कानूनी मुश्किलें बनी हुई हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक उन्हें सरेंडर करना होगा और जेल जाना पड़ेगा। अनंत सिंह ने साफ कहा है कि वह चार दिसंबर को सरेंडर कर जेल जाएंगे। इसके बाद कोर्ट उन्हें फिर जमानत देगी। तब वह पूरे जनता के बीच घूमेंगे। अनंत सिंह ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। कोर्ट का जो आदेश होगा, उसका वह पालन करेंगे। बता दें कि इसी साल 19 मार्च को मोकामा के विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। उन्हें चर्चित दुलारचंद यादव हत्या मामले में जमानत दे दी गई थी। अदालत ने सुनवाई के दौरान प्रस्तुत तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करते हुए यह निर्णय सुनाया था। इसके बाद से जेल से बाहर आए थे। जानिए दुलारचंद हत्याकांड की पूरी कहानी 30 अक्तूबर को मोकामा टाल में दुलारचंद की हत्या की गई थी। आरोप अनंत सिंह और उनके समर्थकों पर लगा। 1 नवंबर की देर रात पटना के रद्द कार्तिकेय शर्मा खुद अनंत सिंह के आवास मोकामा पहुंचे और उन्हें गिरफ्तार किया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, शरीर पर कई जगह गहरे घाव और खून जमने के निशान मिले। फेफड़े (लंग्स) फटे हुए मिले, जिससे अधिक मात्रा में इंटरनल ब्लीडिंग हुई है। छाती की कई पसलियां टूटी हुई पाई गईं। खासकर दाहिनी ओर रीढ़ की हड्डी (वर्टिब्रा) के पास भी चोटों के निशान मिले। सिर, घुटने, टखने और पीठ पर गहरे जख्म और चोटें पाई गईं।

बंद घर में डकैती, विरोध करने पर युवक को मारी गोली; गंभीर हालत में पटना पीएमसीएच किया गया रेफर

एजेंसी

पटना। बिहार के सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र स्थित घोरहट मठिया गांव में हथियारबंद अपराधियों ने बंद घर को निशाना बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान विरोध करने पर बदमाशों ने 40 वर्षीय आनंद भारती को गोली मार दी। सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत घोरहट मठिया गांव में बीती देर रात हथियारबंद अपराधियों ने जमकर तांडव मचाया। बंद घर में डकैती की नीयत से घुसे बदमाशों का विरोध करने पर एक युवक को गोली मार दी गई। घायल युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे छपरा सदर अस्पताल से पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया गया है। मांझी (सारण): जिले में बेखौफ अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा



मामला मांझी थाना क्षेत्र के घोरहट मठिया गांव का है, जहां बीती देर रात हथियारबंद अपराधियों ने डकैती की वारदात को अंजाम दिया। विरोध करने पर एक व्यक्ति को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दुस्साहसिक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। बंद घर को अपराधियों ने बनाया निशाना मिली जानकारी के अनुसार, घोरहट मठिया गांव निवासी शशि भूषण भारती अपने पूरे परिवार के साथ झारखंड में रहते हैं। इस कारण गांव स्थित उनका घर बंद था। इसी का फायदा उठाते हुए बीती देर रात करीब आधा दर्जन हथियारबंद अपराधी घर का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और कीमती सामान समेटने लगे। नींद खुलने पर पट्टीदार ने किया विरोध, तो दाग दी गोली घर में हो रही आहट और संदिग्ध गतिविधियों को भांपकर शशि भूषण भारती के पड़ोसी एवं पट्टीदार आनंद भारती (करीब 40 वर्ष, पिता कृष्णा भारती) की नींद खुल गई।

पाकिस्तान के कट्टरपंथी से संपर्क के संकेत, छात्र शाहिद की 10 पन्नों की चैटिंग ने बढ़ाई चिंता

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्णिया में गिरफ्तार संदिग्ध छात्र शाहिद अख्तर के मोबाइल और लैपटॉप की जांच में कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। सुरक्षा एजेंसियों को उसकी चैटिंग में राम मंदिर से जुड़ी आपत्तिजनक तस्वीरें, आतंकी वेशभूषा और हथियारों की तस्वीरें मिली हैं। पूर्णिया में केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और पुलिस के हत्थे चढ़े संदिग्ध छात्र शाहिद अख्तर के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों की जांच में उसकी सोशल मीडिया चैटिंग में अयोध्या के राम मंदिर का जिक्र और उसके विध्वंस से जुड़ी एक आपत्तिजनक तस्वीर मिलने की बात सामने आई है। इसके अलावा, चैटिंग के दौरान आतंकी वेशभूषा में एक व्यक्ति और एके-47 जैसे खतरनाक हथियारों की तस्वीरें भी साझा की गई थीं। सुरक्षा एजेंसियों ने उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स से करीब 10 पन्नों की संदिग्ध चैटिंग का प्रिंटआउट निकाला है। जांच में यह बात सामने आई है कि संदिग्ध शाहिद अख्तर केवल साधारण व्हाट्सएप तक ही सीमित नहीं था, बल्कि अपनी कथित देशविरोधी गतिविधियों को छिपाने के लिए उसने कई आधुनिक और सुरक्षित माने जाने वाले ऐप्स का सहारा लिया था। वह व्हाट्सएप के साथ-साथ डिस्कॉर्ड, सिग्नल और इंस्टाग्राम के जरिए लगातार संदिग्ध चैटिंग कर रहा था और भड़काऊ तस्वीरें व आपत्तिजनक सामग्री साझा कर रहा था। सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय पुलिस ने डिजिटल सबूत मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फिलहाल, एजेंसियां उसके पूरे नेटवर्क, फंडिंग के स्रोतों और अन्य संदिग्ध



सहयोगियों की तलाश में सघन छापेमारी कर रही हैं। गौरतलब है कि पूर्णिया शहर के मधुबनी थाना क्षेत्र अंतर्गत काली प्रसाद टोला निवासी शमीम अख्तर के पुत्र शाहिद अख्तर को 10 नवंबर को उसके घर से गिरफ्तार किया गया था। 23 वर्षीय शाहिद पूर्णिया कॉलेज से बीसीए की पढ़ाई कर रहा है। उसके जब्त किए गए मोबाइल फोन और लैपटॉप की तकनीकी जांच से कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। उसके डिवाइस से पाकिस्तान स्थित कट्टरपंथी अली इमाम कादरी के साथ लगातार चैटिंग और संपर्क के सबूत मिले हैं। इसके अतिरिक्त, हैदराबाद के मोहम्मद उस्मान और पश्चिम बंगाल के बादशाह नामक संदिग्धों के साथ भी उसके संपर्क के तार जुड़े होने की बात सामने आई है। इस हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर पूर्णिया सदर के एसडीपीओ-1 अभिनव परासर ने बताया कि संदिग्ध शाहिद अख्तर से जुड़े हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है।

पूजा का समय और सही विधान भी जानें; छठा मइया की उपासना कब करना अच्छा

एजेंसी

पटना। छठ महापर्व के दूसरे दिन के दूसरे दिन को खरना पूजा होता है। आज परंपरा, आस्था और ज्योतिषीय मान्यताओं का अनूठा संगम देखने को मिल रहा। आज के पूजा का क्या विशेष महत्व है? व्रती कब से निर्जला व्रत शुरू करेंगीं? आइये जानते हैं सबकुछ लोक आस्था के महापर्व छठ का आज यानी शनिवार को दूसरा दिन है। शुक्रवार को नहाय-खाय के बाद व्रती आज खरना का प्रसाद ग्रहण करेंगी। शाम को गुड़ और चावल की खीर बनाकर उसका भोग लगाया जाएगा। इस प्रसाद को ग्रहण करने के बाद ही व्रती निर्जला व्रत का शुरू करेंगीं। अगले दिन यानी रविवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी और सोमवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर संतान और परिवार के लिए मंगल कामना करेंगी। छठ पूजा के दूसरे दिन खरना पूजा का भी विशेष महत्व होता है। खरना छठ पूजा के सबसे



महत्वपूर्ण पूजा दिनों में से एक है। इस दिन छठी मैय्या का आगमन होता है। जिसके बाद भक्त 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू करते हैं। इस साल खरना पूजा पर विशेष संयोग बन रहा, जिसे ज्योतिष काफी शुभ मान रहे। आइए जानते हैं आज खरना का शु मुहूर्त पूजा विधि और महत्व के बारे में। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने बताया कि आज कार्तिक शुक्ल पंचमी शनिवार को पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र तथा रवियोग में खरना की पूजा में व्रती पूरे दिन का उपवास कर शाम में भगवान भास्कर की पूजा कर प्रसाद ग्रहण करेंगी। आज ही खरना का प्रसाद पाने के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला अनुष्ठान का संकल्प लेंगी। पंडित राकेश झा ने बताया कि खरना का प्रसाद व्रती के लिए एक प्रकार का अंतिम सात्विक भोजन है। जो व्रती को कठोर 36 घंटे के उपवास के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है। यह व्रत व्रतियों के शुद्धिकरण करने की अंतिम प्रक्रिया है। इसके बाद व्रती पूरी तरह से सूर्यदेव की भक्ति में लीन हो जाती हैं। छठ महापर्व के चतुर्थ दिवसीय अनुष्ठान के अंतर्गत आज दूसरे दिन खरना के प्रसाद में ईख के कच्चे रस, गुड़ के सेवन से त्वचा रोग, आँख की पीड़ा, शरीर के दाग-धब्बे समाप्त हो जाते है। वही इसके प्रसाद से तेजस्विता, निरोगिता व बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है। छठ महापर्व के खरना पूजा का प्रसाद बनाते समय व्रती और इनके परिजन घरों में पूरी शुद्धता व पवित्रता के साथ पारंपरिक लोकगीत गाते हुए तैयार करती हैं। छठ के पूजा सामग्री के रूप में व्रती सिंदूर, चावल, बांस की टोकरी, धूप, शकरकंद, पत्ता लगा हुआ गन्ना, नारियल, कुमकुम, कपूर, सुपारी, हल्दी, अदरक, पान, दीपक, घी, गेहूं, गंगाजल आदि का उपयोग करती हैं। इस महापर्व में मुख्य प्रसाद हेतु ठेकुआ का विशेष महत्व है। खरना पूजा और प्रसाद ग्रहण के समय इन बातों का रखें ध्यान छठ पर्व में शुद्धता का विशेष महत्व माना जाता है। अधिकतर छठवर्ती खरना का प्रसाद मिट्टी के बने नये चूल्हे पर ही बनातीं हैं। खरना पूजा के समय और प्रसाद ग्रहण करते समय बाहर से तेज आवाज नहीं आना चाहिए। इस दौरान घर से सदस्यों को तेज आवाज में बोलने या बम-फटाका फोड़ने या कोई अन्य तेज आवाज काम करने से मना किया जाता है। क्यों कि मान्यता है कि खरना पूजा के समय या खरना प्रसाद ग्रहण करते समय तेज आवाज सुनने या शोर-शराबा व्रत में बाधा उत्पन्न करती है। मान्यता यह भी है प्रसाद ग्रहण करते समय व्रती के कान में तेज आवाज आने से वह तत्काल भोजन छोड़ देती हैं। इसलिए तेज आवाज न हो, इसका खास ध्यान रखा जाता है। आज से शुरू हुआ छठ महापर्वः इस बार दो खास योग का बन रहा शुभ संयोग; जानिए नहाय-खाय से उषा अर्घ्य तक का महत्व नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व शुरूः मेरठ में 25 हजार से अधिक श्रद्धालु रखेंगे व्रत; रविवार को देंगे पहला अर्घ्य मन और आत्मा की शुद्धि का पर्व है छठ पंडित राकेश झा ने बताया कि राकेश झा ने बताया कि छठ महापर्व विशेष तौर पर शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि का पर्व है। वैदिक मान्यताओं के अनुसार, श्रद्धापूर्वक व्रत-उपासना करने वाले व्रतियों तथा श्रद्धालुओं पर खरना से छठ के पारण तक छठी माता की कृपा बरसती है। प्रत्यक्ष देवता सूर्य को पीतल या तांबे के पात्र से अर्घ्य देने से आरोग्यता का वरदान मिलता है। सूर्य को आरोग्य का देवता माना गया है। सूर्य की किरणों में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता है । मान्यता है कि लोक आस्था का महा पर्व छठ का व्रत आरोग्य प्राप्ति, सौभाग्य व संतान के लिए रखा जाता है।

ग्रीन एसएम चेन्नई और बेंगलुरु में शुरू होगी इलेक्ट्रिक कैब सेवा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक कैब सेवा प्रदाता कंपनी ग्रीन एसएम अपनी सेवाओं का विस्तार करने जा रही है। फिलहाल दिल्ली-एनसीआर और हैदराबाद में सक्रिय यह कंपनी अब चेन्नई और बेंगलुरु के बाजारों में भी प्रवेश करेगी। कंपनी का लक्ष्य इन शहरों में किफायती और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन समाधान प्रदान करना तथा हजारों स्थानीय लोगों के लिए आय के अवसर सृजित करना है। ग्रीन एसएम ने बताया कि इस विस्तार का उद्देश्य अधिक से अधिक ग्राहकों को सस्ती और पूरी तरह इलेक्ट्रिक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना है। कंपनी को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में संबंधित राज्य के एग्रीगेटर नियमों के तहत लाइसेंस मिल चुके हैं। ग्रीन एसएम इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोहित शर्मा ने इस पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर में मिली सफलता के बाद हरित परिवहन के लाभ देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का यह एक और महत्वपूर्ण अवसर है। इस बीच, कंपनी ने उन खबरों को गलत और निराधार बताया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह प्रति किलोमीटर आठ रुपये किराया लेती है। ग्रीन एसएम ने स्पष्ट किया है कि किराये की सटीक जानकारी उसकी आधिकारिक वेबसाइट और अन्य संचार माध्यमों पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

आरबीआई ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नौ लाख का जुर्माना लगाया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नियामकीय मानदंडों का उल्लंघन किए जाने के लिए नौ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई ने कंपनी के जून, 2025 से मार्च, 2026 तक के कामकाज के संदर्भ में वैधानिक निरीक्षण किया था। आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किए जाने संबंधी निगरानी निष्कर्षों और इस बारे में हुए पत्राचार के आधार पर वन मोबिक्विक सिस्टम्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई ने पाया कि वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने कुछ प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) धारकों को निर्धारित सीमा से अधिक राशि ऐसे लाभार्थियों को हस्तांतरित करने की अनुमति दी थी, जिनका पहले से पंजीकरण नहीं था। आरबीआई ने कहा कि कंपनी निर्धारित समयसीमा के भीतर कुछ धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी देने में भी विफल रही। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है। इसका उद्देश्य कंपनी और उसके ग्राहकों के बीच हुए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर फैसला देना नहीं है।

आयशर मोटर्स का मुनाफा 15 प्रतिशत बढ़कर 1,573 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माता आयशर मोटर्स का चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 1,573 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में उसका मुनाफा 1,369 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 20 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 7,422 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 6,172 करोड़ रुपये था। आलोच्य तिमाही में कंपनी का एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) 16 प्रतिशत बढ़कर 1,760 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 1,512 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि परिचालन प्रदर्शन बेहतर रहने के साथ रॉयल एनफील्ड और वाणिज्यिक वाहन खंड की बिक्री में मजबूत वृद्धि से मुनाफा बढ़ा।

टीवीएस मोटर ने हलदर को भारत में दोपहिया कारोबार का प्रमुख बनाया

नई दिल्ली ।

चेन्नई स्थित प्रमुख वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने भारत में अपने दोपहिया कारोबार के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने अनिरुद्ध हलदर को देश में अपने दोपहिया कारोबार का नया प्रमुख नियुक्त किया है। यह नियुक्ति गौरव गुप्ता के इस्तीफे के बाद हुई है, जिन्होंने बाहरी अवसर तलाशने के लिए कंपनी छोड़ दी है। गुप्ता का इस्तीफा 24 दिसंबर से प्रभावी होगा। हलदर इससे पहले कम्यूटर मोबिलिटी के कारोबार प्रमुख और कॉरपोरेट ब्रांड एवं मीडिया के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्हें पदोन्नत कर वरिष्ठ उपाध्यक्ष (पीपल मोबिलिटी-भारत दोपहिया कारोबार) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी।

उछाल और गिरावट के बीच झूलता रहा बाजार

जोरदार तेजी के बाद हावी हुई मुनाफावसूली, हफ्ते भर दिखा उतार-चढ़ाव

भारतीय शेयर बाजार- दिवाली के बाद शानदार तेजी, निफ्टी 25,000 पार, सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने दिवाली के उत्साह के साथ-साथ शानदार तेजी दर्ज की। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के दम पर प्रमुख सूचकांकों ने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर छुए, जिसमें निफ्टी ने पहली बार 25,000 का आंकड़ा पार किया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन मुनाफावसूली हावी रही, जिसने बाजार की बढ़त को कुछ हद तक कम किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हल्की गिरावट के साथ हुई, लेकिन बाजार ने जल्द ही खुद को संभाला। पिछले हफ्ते की शानदार तेजी और एफआईआई की आक्रामक खरीदारी, बेहतर वैल्यूएशन, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों जैसी सकारात्मक खबरों ने निवेशकों का मनोबल बढ़ाया। बीएसई सेंसेक्स 107.25 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,106.65 पर और निफ्टी 58.25 अंक चढ़कर 25,044.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को दिवाली-बालीप्रतिपदा के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहा। बुधवार को बाजार ने जबरदस्त उछाल देखा। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह, उम्मीद से बेहतर दूसरी तिमाही के परिणामों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को मजबूत आधार दिया। सेंसेक्स 1,097.33 अंक चढ़कर 82,186.92 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 274.30 अंक की बढ़त के साथ 25,317.55 पर कारोबार कर रहा था।



भारत एक ट्रिलियन डॉलर निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर- गोयल

भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूत प्रदर्शन

नई दिल्ली ।



केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक मंदी के बावजूद भारत चालू वित्त वर्ष में 1 लाख करोड़ डॉलर के महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सही रास्ते पर है। उन्होंने देश के मजबूत व्यापार प्रदर्शन पर गहरा भरोसा व्यक्त किया। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने बताया कि अक्टूबर माह में भारत ने लगभग 90 अरब डॉलर का अब तक का सबसे अधिक निर्यात दर्ज किया। इसमें लगभग 50 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 40 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश का कुल निर्यात 570 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि दो युद्धों, वैश्विक अस्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की धीमी वृद्धि (3.5 फीसदी) के बावजूद, चालू वित्त वर्ष में भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 15-16 फीसदी की प्रभावशाली दर से बढ़ेगा। उन्होंने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन किया।

एफएसएसएआई का दूध-डेयरी उत्पादों के लिए नया लोगो

नीला चौकोर निशान बताएगा असली डेयरी प्रोडक्ट, 1 जुलाई 2028 से होगा लागू

नई दिल्ली ।

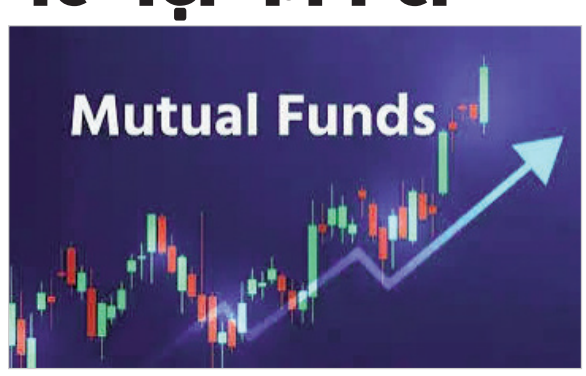
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दूध और डेयरी उत्पादों की शुद्धता व पहचान सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब जल्द ही आपको अपने पसंदीदा दूध, दही और पनीर जैसे उत्पादों के पैकेट पर एक खास नया लोगो दिखाई देगा, जो ग्राहकों को असली डेयरी उत्पाद पहचानने में मदद करेगा।

एफएसएसएआई द्वारा तय किए गए इस नए समान लोगो में नीले रंग का एक चौकोर निशान होगा, जिसके अंदर सफेद रंग की बूंद का निशान बना होगा। देश की सभी डेयरी कंपनियों को अपने दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स के पैकेट पर एक जैसा ही यह निशान लगाना अनिवार्य होगा। यह नया लोगो ग्राहकों को बाजार में असली दूध और दूध से बने उत्पादों को नकली से अलग करने में सहायक होगा। जिस तरह खाने-पीने की चीजों पर शाकाहारी होने का संकेत हरा निशान और मांसाहारी होने का संकेत लाल निशान देता है, ठीक उसी तर्ज पर यह नीला चौकोर निशान दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स की स्पष्ट पहचान कराएगा। एफएसएसएआई ने इस नए नियम को लागू करने की तारीख भी निर्धारित कर दी है। 1 जुलाई 2028 से सभी डेयरी निर्माण कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग पर इस नीले-सफेद रंग के लोगो को लगाना अनिवार्य होगा।

म्यूचुअल फंड्स का नया दांव, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली।

अक्टूबर महीने में म्यूचुअल फंड्स ने अपने निवेश पोर्टफोलियो में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। मोतीलाल ओसवाल की फंड फोलियो रिपोर्ट के अनुसार, फंड मैनेजर्स ने हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी सेक्टर के शेयरों पर अपना दांव बढ़ाया है। हेल्थकेयर सेक्टर में लगातार छठे महीने निवेश बढ़ने के साथ ही यह म्यूचुअल फंड्स के कुल पोर्टफोलियो में दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर बन गया है, जो फंड्स की बदलती निवेश रणनीति को दर्शाता है। अक्टूबर में हेल्थकेयर शेयरों में म्यूचुअल फंड्स का आवंटन मासिक आधार पर 0.20 फीसदी और सालाना आधार पर 1.40 फीसदी बढ़कर 8.8 फीसदी हो गया। टेक्नोलॉजी सेक्टर में भी फंड्स की दिलचस्पी बढ़ी, जहां आवंटन मासिक आधार पर 0.80 फीसदी बढ़कर 6.8 फीसदी हो गया, जो सात महीने का उच्चतम स्तर है। रिपोर्ट बताती है कि टेलीकॉम, निजी बैंकों और कर्ज नहीं देने वाली एनबीएफसी कंपनियों के शेयरों में भी निवेश बढ़ा है। दूसरी ओर, मेटल, वाहन, तेल एवं गैस, पूंजीगत सामान, खुदरा और बीमा जैसे सेक्टरों में म्यूचुअल फंड्स का आवंटन घटा है। मेटल सेक्टर में सितंबर के 62 महीने के उच्चतम स्तर से 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे आवंटन 3.5 फीसदी रह गया। वाहन सेक्टर में भी लगातार दूसरे महीने निवेश का हिस्सा कम हुआ, जो मासिक आधार पर 0.20 फीसदी घटकर 8.4 फीसदी पर आ गया। बीएसई 200 इंडेक्स के सापेक्ष सेक्टरों के विश्लेषण में, हेल्थकेयर और कर्ज नहीं देने वाली एनबीएफसी कंपनियां म्यूचुअल फंड्स की सबसे पसंदीदा सेक्टर बनीं, जहाँ 16-16 फंड्स ने बेंचमार्क से ज्यादा निवेश किया। ई-कॉमर्स, पूंजीगत सामान और रसायन सेक्टर में भी फंड्स की दिलचस्पी दिखी। इसके विपरीत, तेल एवं गैस सेक्टर में 18 फंड्स ने बेंचमार्क से कम निवेश किया, जबकि निजी बैंक, सरकारी बैंक, टेक्नोलॉजी और उपभोक्ता सेक्टर भी कम पसंदीदा रहे। यह रुझान बताता है कि फंड मैनेजर्स जोखिम कम करने और भविष्य के विकास की संभावनाओं वाले सेक्टरों की ओर बढ़ रहे हैं।



भारत का व्यापार घाटा 12 महीने के उच्चतम स्तर पर, निर्यात-आयात ने भी तोड़े रिकॉर्ड

अक्टूबर में निर्यात 49.47 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अक्टूबर माह में भारत का व्यापार घाटा पिछले 12 महीनों के उच्चतम स्तर 39.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह वृद्धि रिकॉर्ड वस्तुओं के आयात के कारण हुई, जो 89.35 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इसी अवधि में भारत का निर्यात भी 49.47 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 45 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्शाता है। इस परिदृश्य में, सेवा क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए देश के समग्र व्यापार संतुलन में सकारात्मक योगदान दिया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 39.88 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले 12 महीनों का सर्वाधिक स्तर है। इस दौरान वस्तुओं का आयात रिकॉर्ड 89.35 अरब डॉलर रहा, जबकि निर्यात में भी 45 फीसदी की वृद्धि के साथ यह 49.47 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। अधिकारियों के अनुसार, आयात में यह वृद्धि और बढ़ता व्यापार घाटा काफी हद तक मौसमी रुझान का हिस्सा हो सकता है, जैसा कि पिछले वर्ष भी अक्टूबर में देखा गया था, जब व्यापार घाटा 42.58 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान, वस्तुओं का कुल निर्यात 22 फीसदी बढ़कर 309.06 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 16 फीसदी बढ़कर 527.21 अरब डॉलर हो गया। इस तरह, इस अवधि में देश का व्यापार घाटा 218.15 अरब डॉलर दर्ज किया गया। अच्छी खबर यह है कि सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में शानदार प्रदर्शन किया। अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, सेवा निर्यात 15 फीसदी बढ़कर 40.51 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवा आयात 17 फीसदी बढ़कर 20.72 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप, अक्टूबर में सेवाओं के व्यापार से भारत को लगभग 19.79 अरब डॉलर का अनुमानित अधिशेष प्राप्त हुआ।

यस बैंक ने साइबर फ्रॉड की खबर को नकारा, कहा- सिस्टम सुरक्षित

नई दिल्ली ।

प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक ने एक वित्तीय समाचार प्रकाशन की एक रिपोर्ट में किए गए साइबर फ्रॉड के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक ने 3.4 मिलियन डॉलर (लगभग 32 करोड़ रुपये) के कथित नुकसान को निराधार बताया है, जोर देकर कहा कि उसके सिस्टम के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और न ही उसे कोई वित्तीय क्षति हुई है। यस बैंक ने एक स्पष्टीकरण में कहा कि उसकी बैंकिंग प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है, किसी भी सरकारी खाते पर कोई असर नहीं पड़ा है और इस कथित घटना के कारण बैंक को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है। बैंक ने रिपोर्ट के दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए कहा कि यह असल स्थिति नहीं दिखाती। बैंक ने आगे कहा कि गलत जानकारी छपने से उसकी साख को नुकसान पहुंचा है और इससे उसके हितधारकों के बीच बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। यस बैंक ने संबंधित मीडिया हाउस के सामने इस मामले को उठाया है, गलत तथ्यों की ओर इशारा किया है और रिपोर्ट वापस लेने की मांग की है। बैंक ने अपने बयान में बैंकिंग सुरक्षा, ऑपरेशनल इंटीग्रिटी और ग्राहकों के भरोसे के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हल्दीराम की 10 हजार करोड़ का आईपीओ लाने की योजना

नागपुर । देश की मशहूर नमकीन और मिठाई निर्माता कंपनी हल्दीराम अब शेयर बाजार में कदम रखने की तैयारी में है। रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी साल 2027 तक अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लांच करने की योजना बना रही है, जिसके माध्यम से करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इस बड़े कदम से कंपनी को अपने कारोबार का विस्तार करने और नई पूंजी प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे वह अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत कर सकेगी। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए हल्दीराम ने प्रमुख सलाहकार फर्म ईवाई (ईवाई) को नियुक्त कर तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह पहल दिल्ली के हल्दीराम स्नैक्स और नागपुर के हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल के एक साल से अधिक समय पहले हुए विलय के बाद सामने आई है, जिससे अब हल्दीराम स्नैक्स फूड कंपनी एक एकीकृत इकाई के रूप में काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मूल्यांकन हासिल करना है, हालांकि इस संबंध में कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आंतरिक तैयारियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऑफिस (पीएमओ) टीम भी बनाई गई है, जो विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों के बीच तालमेल और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिससे कंपनी को विकास के लिए सीधी पूंजी मिलेगी। इसके साथ ही, मौजूदा शेयरधारक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से अपनी कुछ हिस्सेदारी बेच सकते है। जिससे उन्हें निवेश भुनाने का मौका मिलेगा। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद हल्दीराम का मुकाबला बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल और प्रताप स्नैक्स जैसी स्थापित कंपनियों से होगा।

पेटीएम को आरबीआई से बड़ी राहत वॉलेट सेवा की वापसी की राह खुली, शेयर रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) जारी करने और उनका संचालन करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय में डिजिटल वॉलेट सर्विस भी शामिल है, जो लंबे समय से नियामक चुनौतियों का सामना कर रही कंपनी के लिए अहम उपलब्धि मानी जा रही है। इस खबर के बाद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और कारोबार के दौरान 1,960 का नया 52-वीक हाई छू लिया।

कंपनी ने 13 नवंबर 2026 को शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने पीपीएसएल को भारत में प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट जारी करने और उनका संचालन करने के लिए इन-प्रिंसिपल ऑथराइजेशन दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि कंपनी अब डिजिटल वॉलेट जैसी अपनी लोकप्रिय सेवाओं को फिर से शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। हालांकि, यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ मिली है, जिसमें पीपीएसएल को आरबीआई के 27 अगस्त 2021 के प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट से जुड़े मास्टर निर्देशों और उनमें समय-समय पर होने वाले बदलावों का सख्ती से पालन करना होगा।

आरबीआई की मंजूरी की खबर का असर शेयर बाजार में तुरंत देखने को मिला। शुक्रवार को एनएससी पर पेटीएम का शेयर 1,920 पर खुला और दिन के कारोबार में 1,960 तक पहुंच गया। अंत में यह 1,939.90 पर बंद हुआ, जिसने कंपनी के पुराने लिस्टिंग प्राइस को भी पार कर लिया। यह तेजी निवेशकों का ध्यान एक बार फिर कंपनी की ओर खींचने में सफल रही है।

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने का मतलब यह नहीं है कि ग्राहक तुरंत पेटीएम वॉलेट का इस्तेमाल कर पाएंगे। कंपनी को पहले केंद्रीय बैंक से अंतिम मंजूरी हासिल करना होगा। इसके बाद ही पीपीएसएल वॉलेट और दूसरी पीपीआई सेवाएं शुरू कर सकेगी।

सॉफ्टबैंक ने मीशो में 1,885 करोड़ के शेयर बेचे, दिग्गज निवेशकों ने लपका मौका

जापानी दिग्गज ने 1.65 फीसदी हिस्सेदारी घटाई, अब बची 5.19 फीसदी

नई दिल्ली ।

जापान की प्रमुख निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म मीशो में अपनी हिस्सेदारी एक बार फिर कम कर दी है। कंपनी ने मीशो के करीब 7.64 करोड़ शेयर बेचकर 1,885 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं।

इस बड़े सौदे के बाद मीशो में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी घटकर 5.19 फीसदी रह गई है, जो पहले 6.84 फीसदी थी। खास बात यह रही कि इस डील में घरेलू और विदेशी, दोनों तरह के कई बड़े निवेशकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो मीशो के प्रति उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हुए ब्लॉक डील के आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक से जुड़ी इकाई एसवीएफ- 2 मीरकैट एलएलसी ने मीशो में 1.65 फीसदी हिस्सेदारी बेची। इन शेयरों की औसत कीमत 246.75 रुपये प्रति शेयर रही, जिससे कुल 1,885.17 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ।

मीशो के इन बेचे गए शेयरों को खरीदने में फ्रांस की वित्तीय सेवा कंपनी सोसाइटी जनरल सबसे आगे रही, जिसने करीब 364.65 करोड़ रुपये में 1.47 करोड़ से अधिक शेयर खरीदे, जो मीशो की 0.32 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। घरेलू निवेशकों में मोतीलाल ओसवाल, एचडीएफसी, एडलवाइस और आदित्य बिड़ला सन लाइफ के म्यूचुअल फंडों के साथ-साथ बजाज लाइफ इंश्योरेंस ने भी बड़ी खरीदारी की। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मॉर्गन स्टेनली, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स, बीएनपी पारिबा, गोल्डमैन सैक्स, घिसालो कैपिटल मैनेजमेंट, विलियम ब्लेयर इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट, टेक्सास म्युनिसिपल रिटायरमेंट सिस्टम, सिंगापुर सरकार और नॉर्वे के सरकारी निवेश कोष जैसे कई प्रतिष्ठित नामों ने इस सौदे में हिस्सा लिया।

दालों की महंगाई पर केंद्र सरकार का वार- व्यापारियों को देना होगा साप्ताहिक स्टॉक का हिसाब

नई दिल्ली ।

देश में त्यौहारों का मौसम बीतने के बाद भी दालों की कीमतें कम न होने से चिंतित केंद्र सरकार ने महंगाई पर लगाम कसने और जमाखोरी रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब दाल कारोबार से जुड़े सभी व्यापारियों, आयातकों, मिलर्स, डीलरों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को अपने पास मौजूद दालों के स्टॉक की जानकारी हर सप्ताह ऑनलाइन पोर्टल पर देनी होगी। केंद्र सरकार का मानना है कि इस पहल से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की सचिव निधि खरे ने हाल ही में बड़े कारोबारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि त्यौहारों के बाद दालों की कीमतों में बढ़ोतरी का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि मंडियों में दालों के दाम घटने का फायदा आम उपभोक्ताओं तक भी पहुंचना चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार को आशंका है कि कुछ कारोबारी जमाखोरी और मुनाफाखोरी के जरिए कीमतों को कृत्रिम रूप से ऊंचा बनाए हुए हैं, जबकि मंडियों में कीमतें अपेक्षाकृत कम हुई हैं।

केंद्र सरकार के इन सख्त कदमों और बेहतर आपूर्ति स्थितियों के चलते आने वाले दिनों में दालों की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। खरीफ में उड़द और अन्य दालों की अच्छी बुवाई हुई है, वहीं रबी फसलों की बुवाई में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नियमित आयात भी बाजार में दालों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

सिर्फ दालें ही नहीं, केंद्र सरकार ने चावल और चीनी जैसे अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थों पर निगरानी बढ़ा दी है। हाल ही में, व्यापारियों और मिलर्स के लिए बासमती, गैर-बासमती चावल, टूटे चावल और धान का साप्ताहिक स्टॉक बताना भी अनिवार्य किया है।

वहीं, नए चीनी सीजन के दौरान डीलरों के लिए अधिकतम 1,000 क्विंटल या 15 दिन की खपत के बराबर स्टॉक रखने की सीमा निर्धारित की गई है। सरकार के इन व्यापक प्रयासों का उद्देश्य खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी रोकना और आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत दिलाना है।

जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम



उमेश चतुर्वेदी

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।



भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, वनबन्धु, ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।

संपादकीय

चुभती महंगाई

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दर्शाती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है।

चिंतन-मनन

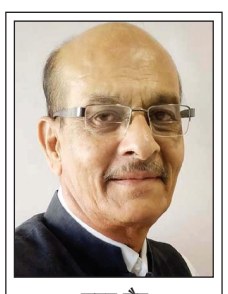
सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिर्मुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है।

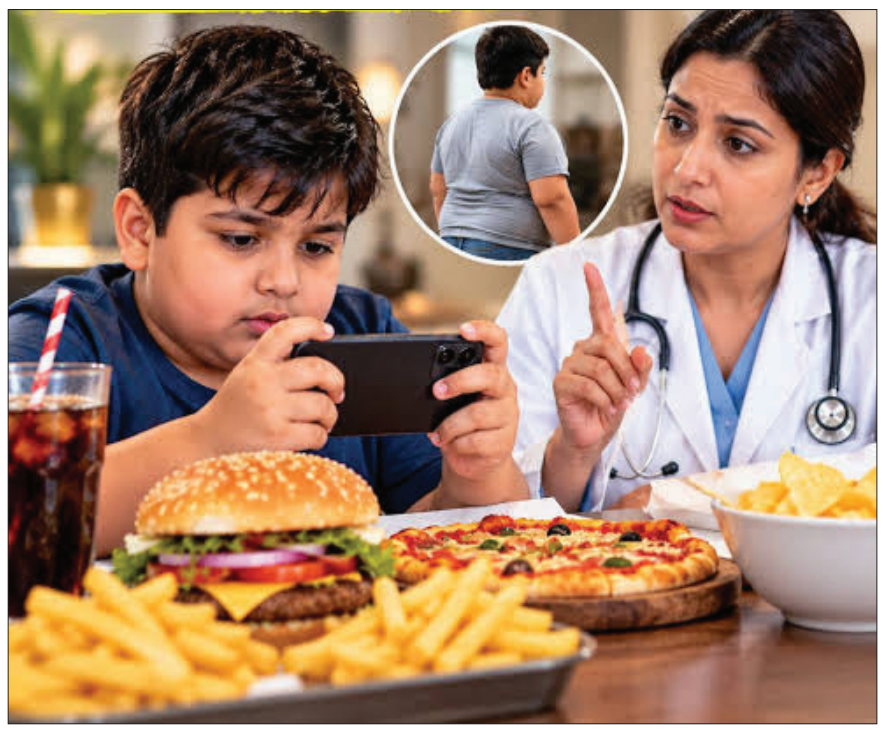
कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

फास्ट फूड और मोबाइल की गिरफ्त में बचपन, डायबिटीज का बढ़ता खतरा



सनत जैन



भारत में डायबिटीज की बीमारी केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई है। बच्चों और युवाओं में भी तेजी से बढ़ते मधुमेह के मामले समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। कभी जिस उम्र में बच्चे खेल के मैदानों में दौड़ते-कूदते थे, आज उसी उम्र में वे मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम की दुनिया में घंटों व्यस्त रहते हैं। दूसरी ओर खानपान की बदलती आदतों ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। पिछले दो-तीन दशकों में भारतीय परिवारों की जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। परिवारों में एक या दो बच्चे होने के कारण माता-पिता उनकी हर जिद पूरी करने की कोशिश करते हैं। बच्चों की जिद के सामने फास्ट फूड, पिज्जा, बर्गर, चाउमीन, फ्रेंच फाइज, पैकेज्ड स्नैक्स और मीठे पेय पदार्थ आसानी से उपलब्ध करा दिए जाते हैं। धीरे-धीरे यह भोजन बच्चों की पसंद ही नहीं, बल्कि उनकी रोजमर्रा की आदत बन जाता है। फास्ट फूड में अधिक मात्रा में नमक, चीनी, अस्वास्थ्यकर वसा और कैलोरी होती हैं। इनका नियमित सेवन मोटापा, इंसुलिन प्रतिरोध और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ रहा है। बच्चों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है।

बचपन में विकसित हुई गलत खानपान की आदत के कारण अब कम उम्र में ही शुगर की बीमारी देखने को मिल रही है। जो जीवनभर उनका पीछा नहीं छोड़ेगी। दूसरी बड़ी समस्या शारीरिक गतिविधियों का लगातार कम होना है। पहले बच्चे स्कूल से लौटने के बाद मैदानों में क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो और दूसरे खेल खेलते थे। आज उनका अधिकांश समय मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम में बीत रहा है। शारीरिक श्रम, पैदल चलना, साइकिल चलाना और व्यायाम जीवनशैली से गायब होते जा रहे हैं। मोबाइल फोन और फास्ट फूड दोनों बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षण और आदत का ऐसा चक्र बना रहे हैं, जिससे बाहर निकलना उनके लिए कठिन होता जा रहा है। मोबाइल नहीं मिलने पर बच्चों का चिड़चिड़ापन और आक्रामक व्यवहार भी अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। अनियंत्रित स्क्रीन का इस्तेमाल और अस्वास्थ्यकर खानपान के दुष्परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायबिटीज केवल खानपान और व्यायाम की कमी से ही नहीं होती। कभी-कभी इसके आनुवंशिक कारण, पारिवारिक इतिहास, नींद की कमी, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियां भी इसके जोखिम को प्रभावित करती हैं। टाइप-1 डायबिटीज बच्चों में भी हो सकती है। जो खानपान या मोटापे से नहीं होती। इसलिए बीमारी के सभी स्वरूपों को समझना जरूरी है।

इंटरनेशनल डायबिटीज डे के इस अवसर पर यह संकल्प लेना होगा, कि बच्चों को केवल महंगे स्कूल, मोबाइल और आधुनिक सुविधाएं देना ही अभिभावकों की जिम्मेदारी नहीं है। उन्हें स्वस्थ शरीर और स्वस्थ जीवनशैली देना भी उतना ही आवश्यक है। घर में पौष्टिक भोजन, फल, सब्जियां और पारंपरिक खानपान को प्राथमिकता मिले। फास्ट फूड को रोजमर्रा के भोजन का हिस्सा बनाने से बचें। बच्चों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। स्कूलों में खेल के मैदान, शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। माता-पिता को भी बच्चों के साथ पैदल चलना, खेलना और व्यायाम करना चाहिए। जिससे बच्चों की भी आदत पड़ेगी। मां-बाप का भी स्वास्थ्य ठीक रहेगा। सवाल यह है कि हम अपने बच्चों को मोबाइल की दुनिया में व्यस्त रखकर उनका बचपन छीन रहे हैं, या उन्हें स्वस्थ भविष्य देने की तैयारी कर रहे हैं? डायबिटीज से बचाव की शुरुआत अस्पताल से नहीं, बल्कि घर की रसोई, भोजन की थाली और खेल के मैदान से होनी चाहिए। आज की छोटी-सी सावधानी आने वाली पीढ़ी को बड़ी बीमारी से बचा सकती है। उनका बेहतर करियर भी बना सकती है। शरीर स्वस्थ रहेगा तो बाकी सभी चीजें ठीक-ठाक रहेंगी।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (GSDP) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके। उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को 'बीमारु' राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

कहा- उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।

वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था : अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस : ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी : अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी : करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था : अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'ज़ान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गईं। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

छापेमारी और जेल का खौफ : तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री हमदुल्लाह नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया : दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला : यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

दुबई/ फुजैराह , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।

हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत : यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए



हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त : यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय : अस्पताल में घायलों का उपचार: फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवाल: पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज : दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई : एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई : अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है।

कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी



जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, 'मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।' बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीद: जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी : जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत : आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।

ये हैं अमरूद के अनगिनत फायदे

पाचन क्रिया दुरुस्तः अमरुद को काले नमक के साथ खाएं। इससे पाचन क्रिया ठीक रहेगी और पेट संबंधी कई समस्याएं दूर होगी।

पेट के कीड़ों से मिलेगा आरामः अगर बच्चे के पेट में कीड़े हैं जिस वजह से वह काफी परेशान है तो बच्चे को अमरुद का सेवन करवाएं। काफी फायदा मिलेगा।

आंखों की सूजन में फायदाः कई बार आंखों के नीचे काले घेरे और सूजन आने लगती है, जिससे आंखे काफी अजीब लगती है। ऐसे में अमरुद की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाएं और आंखों के नीचे लगाएं।



कब्जः कब्ज की समस्या बहुत से लोगों को रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए सुबह खाली पेट पका हुआ अमरुद खाएं। कब्ज दूर होगी।

मुंह की दुर्गंध करता है दूरः अमरुद की पत्तियों को चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होगी और दांतों का दर्द दूर होगा।

कमजोरी दूर करेंः अमरुद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं। रोजाना अमरुद का सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

दिल के लिए फायदेमंदः अमरुद में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को मजबूत और दुरुस्त रखते हैं। दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी-जुकाम में फायदाः नियमित अमरुद का सेवन करने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं दूर होती है।

कैंसर से बचावः अमरुद में लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स मौजूद होता है, जो शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाए रखता है।

लाइफस्टाइल में शामिल करें ये हेल्थी आदतें

अस्थमा अटैक से हमेशा रहेंगे दूर

बिगड़ती लाइफस्टाइल के कारण लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। इन्हीं में से एक है अस्थमा अटैक। ऐसे में अपनी आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप इन बीमारियों से बच सकते हैं। अच्छी डाइट के साथ रोजाना नियमित एक्सरसाइज से आप अस्थमा के साथ-साथ कई बीमारियों को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि किस तरह लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करके आप बीमारियों से बच सकते हैं।

अपनाएं ये हेबिट्स

- अस्थमा की समस्या तो बहुत से लोगों को होती है, लेकिन अस्थमा अटैक जानलेवा हो सकता है। ऐसे में इससे बचने के लिए आप रोजाना योग निद्रा आसन कर सकते हैं।
- रोजाना अपनी डाइट में प्रोटीन पदार्थ, फल और सब्जियों को शामिल करके भी इससे बचा जा सकता है।
- हाल ही में हुए एक शोध में बताया गया है कि ज्यादा रुटिन चेकअप न करवाने लोगों को ही अस्थमा अटैक आता है। इसलिए टाइम टू टाइम अपनी रुटीन चेकअप करवाते रहें।
- अक्सर मोटापे के कारण लोगों को अस्थमा की समस्या हो जाती है। इसलिए रोजाना वर्कआउट से अपने वजन को कंट्रोल में रखें।
- बाहर निकलते समय अपने मुंह पर कोई कपड़ा बांध लें, ताकि धूल-मिट्टी से आपको सांस लेने में तकलीफ न हो।
- रोजाना दिन में 2 बार एक्सरसाइज करने से अस्थना अटैक का खतरा 80 प्रतिशत तक कम हो जाता है।
- शोध के मुताबिक अस्थमा से पीड़ित लोगों को शारीरिक गतिविधि में भाग लेते रहना चाहिए। इससे अस्थमा से लड़ने के लिए शरीर को एनर्जी मिलती रहती है।
- एक्सरसाइज करते समय इस बात का ध्यान रहें कि आसन ज्यादा कठोर न हो। इससे अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ सकता है।
- अस्थमा में अपनी दवाइयों और पंप की एक्सपायरी डेट का भी ध्यान रखें। एक्सपायरी दवाइयां खाने से आपकी अस्थमा की समस्या बढ़ सकती है।
- अस्थमा में धूम्रपान, तंबाकू और शराब का सेवन करने से बचे। इससे अटैक का खतरा के साथ-साथ दूसरी बीमारियां होने का डर भी रहता है।



रेसिपी



मुर्ग अफगानी

- तेल: 30 मिली
- लौंग: 2
- दालचीनी: 1 इंच
- इलायची: 4
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1½ टेबलस्पून
- प्याज: 150 ग्राम (भुनाकर पेस्ट बना लें)
- हल्दी पाउडर: 1 टीस्पून
- धनिया पाउडर: 2 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 2 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1 टीस्पून
- जीरा पाउडर: 1½ टीस्पून
- चिकन: 500 ग्राम (कटा हुआ)
- काजू पेस्ट: 60 ग्राम (भूनकर पेस्ट बना लें)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- गरम मसाला: 1 टीस्पून
- हरा धनिया: गार्निश के लिए

विधि

सबसे पहले पैन में तेल गर्म करके उसमें लौंग, दालचीनी और इलायची को भून लें। अब इसमें 150 ग्राम प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें, फिर इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर तब तक भूनें जब तक उसका रंग सुनहरा न हो जाए। अब इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और जीरा पाउडर डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। इसके बाद चिकन को इसमें मिक्स करके तब तक पकाएं जब तक यह सॉफ्ट न हो जाए। फिर काजू पेस्ट, स्वाद के अनुसार नमक और 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर डालकर तब तक पकाएं, जब तक चिकन पूरी तरह से पक न जाए। अब इसे हरे धनिया के साथ गार्निश करें। लीजिए आपका मुर्ग अफगानी बनकर तैयार है। अब आप इसे नान के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।



नारियल पाग

- सूखा नारियल (कद्दूकस किया हुआ): 3 कप
- चीनी: 2 कप
- मेवा (काजू, किशमिश और बादाम): आधा कप
- पानी: 2 कप
- घी: आवश्यकता के अनुसार

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाही में चीनी और पानी डालकर चाशनी तैयार कर लें। इस बात का ध्यान रखें कि चाशनी गाढ़ी होनी चाहिए। अब एक थाली में घी लगाकर उसको अच्छे से चिकनाकर दें। इसके बाद तैयार की गई चाशनी में कद्दूकस किया हुआ नारियल डालकर अच्छे से मिला लें। चाशनी और नारियल से तैयार किया हुआ मिश्रण थाली में फैला दें। अब ऊपर से बारीक कटा हुआ मेवा डालकर चम्मच की मदद से दबा दें। ठंडा होने पर इसे अपने मनपंसद आकार में काट लें। आपकी नारियल पाग मिठाई तैयार है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ द दो चा ची)

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला -'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

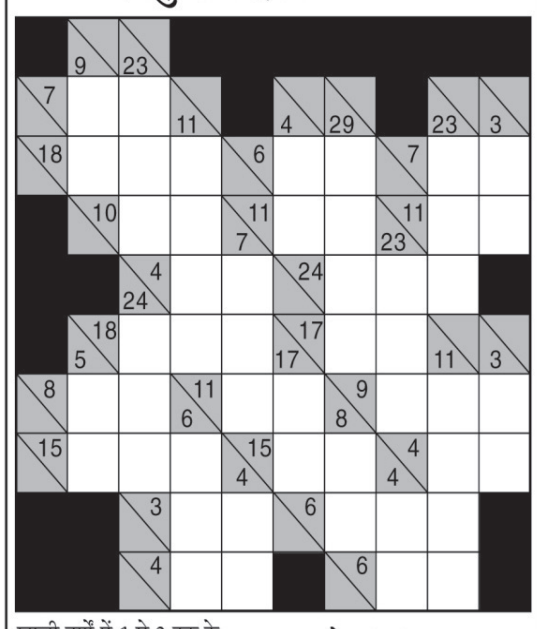
एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि 'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

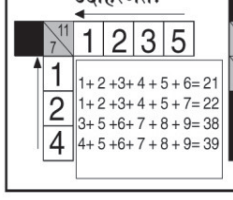
चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

काकुरो पहेली - 4043

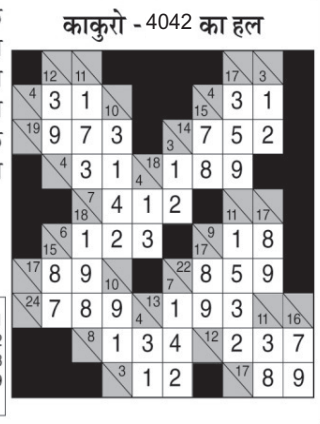


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

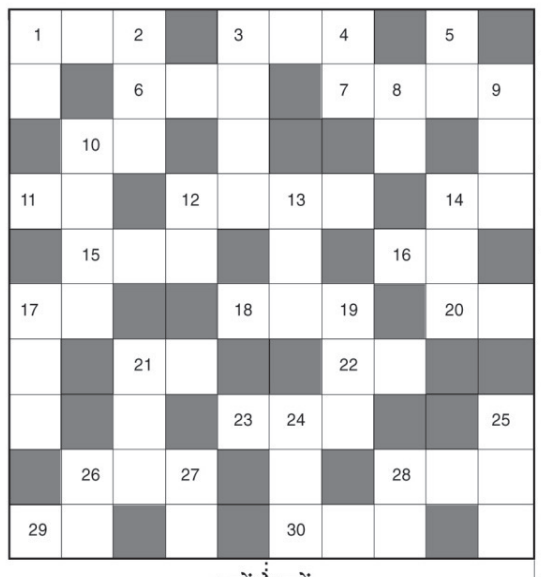
उदाहरणतः



काकुरो - 4042 का हल



फिल्म वर्ग पहेली - 4043



बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है ?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी ?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं ?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था ?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है ?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है ?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4042

सं	गी	त		भा	भी		दी	दा	र
ग्रा		ह	स्ती		गी	ता		स्ता	
म	ह	ल		ही	रा		जा	न	म
		का	श्र		त	मि	ल		न
शो	ले		गु	ड्डू		थु			मौ
र		शा	न		जा	न	की	बा	जी
	डॉ	न		स	नी			द	
क		दा	सी		दु		स	ल	मा
सौ		र		दु	श्म	न			चि
टी	ना		माँ		न		पा	र	स

सूडोकु -4043

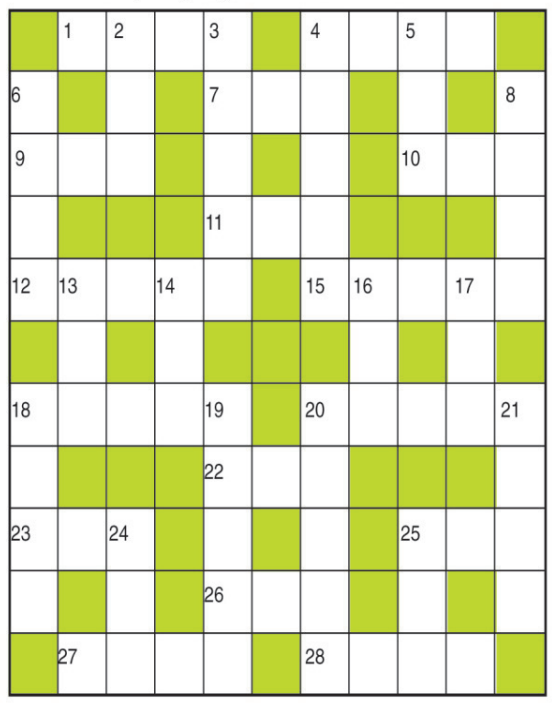
	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4042 हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 4043



बाएँ से दाएँ

1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली 4042 का हल

	अ	व	का	श		प्र	ति	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
शा		ना	या	ब		य	ती	म		क
म		ह		खा	र	क		ज		र
द	या	क	र	ना		था	ह	मा	प	ना
	प		फ्ता				सी		ठा	
अ	न	व	र	त		म	न	भ	र	ना
नु		रा		म	ध्य	म		र		मा
रो		ह	र्षि	त		ता	ली	म		कु
ध				मा	त	म				ल
	आ	ज	मा	ना		य	ज	मा	न	

आईएनएस चिल्का में 3,358 अग्निवीर और नाविकों की पासिंग आउट परेड, 142 महिलाएं शामिल

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा के आईएनएस चिल्का में भव्य पासिंग आउट परेड (पीओपी) आयोजित की गई, जिसमें रिकॉर्ड 3,358 प्रशिक्षुओं ने अपना गहन प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें 142 महिला प्रशिक्षु भी शामिल थीं। इस समारोह के साथ भारतीय नौसेना के 2,756 अग्निवीरों, 286 चिकित्सा सहायकों और भारतीय तटरक्षक बल के 316 नाविकों ने 16 सप्ताह का कठोर प्रशिक्षण पूरा किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने इस पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया, जबकि दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक अध्ययन, शारीरिक फिटनेस, तैराकी, और नेतृत्व विकास सहित विभिन्न गतिविधियों में निपुण बनाया गया। इस दौरान अनुशासन, टीम भावना तथा नौसेना के मूल मूल्यों - कर्तव्य, सम्मान और साहस पर विशेष जोर दिया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नचिकेता सनासम को एसएसआर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु, अरबाज अमीन को एमआर श्रेणी में और दीक्षा को समग्र योग्यता सूची में सर्वश्रेष्ठ महिला प्रशिक्षु चुना गया। अमर शक्ति एम को सर्वश्रेष्ठ नाविक जीडी तथा अर्पित सांगवान को सर्वश्रेष्ठ नाविक डीबी का सम्मान मिला। इस यादगार अवसर पर युवा प्रशिक्षुओं के परिवारों ने भी भव्य परेड का अवलोकन किया।

पाकिस्तानी एजेंट को साझा कीं गोपनीय सैन्य सूचनाएं

- वायुसेना विंग कमांडर पर देशद्रोह का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर पर देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय सैन्य जानकारी और युद्ध योजनाओं से संबंधित दस्तावेज पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के साथ साझा करने का गंभीर आरोप लगा है। दिल्ली पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र (चार्जशीट) में इस चौंकाने वाले खुलासे ने देश की सुरक्षा एजेंसियों को हैरान करने के साथ-साथ सतर्क कर दिया है। आरोप है कि यह अधिकारी कथित तौर पर हनीट्रैप का शिकार हुआ था और उसे अश्लील तस्वीरों के बदले देश की सुरक्षा से जुड़ी अत्यधिक संवेदनशील जानकारियां साझा करने के लिए मजबूर किया गया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हुआ। आरोपपत्र के अनुसार, विंग कमांडर ने व्हाट्सएप के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को सैन्य अभियानों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं, युद्ध की रणनीतियों से जुड़े दस्तावेज, ड्रोन तकनीक से संबंधित विस्तृत जानकारियां और सैन्य तैनाती का विस्तृत ब्योरा भेजा था। इसमें अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू विमानों की गतिविधियों और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों के भौगोलिक निर्देशांक भी शामिल थे, जो दुश्मन देश के हाथों में जाने से बड़ी क्षति पहुंचा सकते हैं। इन सूचनाओं को किसी विदेशी ताकत के साथ साझा करना न केवल देशद्रोह के समान माना जाता है बल्कि इसके अत्यंत गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिससे देश की सामरिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स से डिस्चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ मिनट तक बेहोश रहने के बाद उन्हें सुरक्षाकर्मी शुरुआत में घर ले गए थे, लेकिन बाद में एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में लाया गया, जहां हृदय रोग विभाग की देखरेख में उनकी जांच और उपचार किया गया। यह पिछले दो वर्षों में उनका सबसे लंबे समय तक बेहोश रहने का मामला था। इसके पहले वह जून 2025 में नैनीताल में एक कार्यक्रम के दौरान और इस साल जनवरी में दो बार अपने घर पर भी बेहोश हो चुके हैं। मार्च 2025 में सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्स के आईसीयू में भर्ती किया था, जहां उनकी एंजियोप्लास्टी भी की गई थी। धनखड़ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

मैं ओवैसी तेरे आंगन का...पवन खेड़ा ने एआईएमआईएम और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कसा तंज

चंद्रशेखर ने कांग्रेस और सपा को दिया था गठबंधन का प्रस्ताव

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद कांग्रेस ने निशाना साधना शुरू किया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने ओवैसी पर फिल्मी अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है, जिसका नाम है मैं ओवैसी तेरे आंगन का।

कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपनी टिप्पणी में पुरानी फिल्म मैं तुलसी तेरे आंगन की का जिक्र कर कहा, वहां पिक्चर थी ना मैं तुलसी तेरे आंगन की, अब लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है मैं ओवैसी तेरे आंगन का। उनके इस बयान को



ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी भी दोनों नेताओं के गठबंधन को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के बीच हुआ सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के इशारे पर तैयार किया गया है। कांग्रेस सांसद तिवारी का दावा था कि बीजेपी इसतरह के गठबंधनों के जरिए विपक्षी दलों के वोटों में बंटवारा कराने की रणनीति अपनाती है।

उन्होंने महाराष्ट्र और बिहार के सीमांचल क्षेत्र का उदाहरण देकर कहा था कि इसतरह के राजनीतिक समीकरणों से चुनाव में वोटों का विभाजन होता है, जिसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है। गौरतलब है कि चंद्रशेखर आजाद ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सामने भी गठबंधन का प्रस्ताव रखा था, लेकिन दोनों दलों के साथ सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद ओवैसी और चंद्रशेखर ने साथ आने का फैसला किया। अब इस गठबंधन ने प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है।

खरगोन में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, खंडवा के कई इलाकों में भी हिली धरती

- भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था, कोई जनहानि नहीं

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के खरगोन, खंडवा और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर खरगोन क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र 21.59डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। ये स्थान धार जिले के धामनोद से करीब 69 किलोमीटर दक्षिण और इंदौर से करीब 129 किलोमीटर दक्षिण, दक्षिण पश्चिम में बताया गया है। भूकंप के झटके खरगोन जिले और खंडवा सहित आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए जाने की जानकारी सामने आई है। भूकंप की गहराई कम होने के कारण केंद्र के आसपास के इलाकों में कंपन महसूस होने की संभावना रही। खंडवा जिले और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ सालों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं जिसमें 12 सितंबर 2025 को सुबह करीब 8:46 बजे खंडवा में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से करीब 5 किलोमीटर की गहराई पर था। 4 जून 2025 को रात करीब 9:57 बजे खंडवा, बुरहानपुर और नेपानगर में 3.8 तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे। इसका केंद्र खंडवा से करीब 66 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश सीमा के पास, अमरावती के नजदीक बताया गया था। 21 जून 2024 को सुबह 9:04 बजे खंडवा और पंधाना क्षेत्र में 3.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इसका केंद्र खंडवा के आसपास जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

एनसीपी के दोनों गुटों का नहीं होगा विलय, एनडीए में शामिल हो सकते हैं शरद पवार

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों पर अब विराम लग गया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, शरद पवार का गुट भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने का विकल्प तलाश रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) बिना किसी विलय के ही एनडीए का हिस्सा बनने की संभावनाएं खंगाल रहा है। पहले ऐसी खबरें थीं कि दोनों गुट फिर से एक हो सकते हैं, लेकिन मौजूदा संकेतों से यह संभावना क्षीण होती दिख रही है। शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार



को दिल्ली में इस बात को साफ करते हुए कहा, विलय की चर्चा उसी पल खत्म हो गई थी जब मेरे भाई (अजीत पवार) ने पार्टी छोड़ी थी। यह बयान विलय की संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाता है।

सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के रूप में सत्ताधारी गठबंधन महायुति में शामिल होने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि अगर यह गुट एक अलग घटक दल के रूप में एनडीए में शामिल होता है, तो उन्हें केंद्र में कोई अहम मंत्रालय और राज्य मंत्रिमंडल में भी कोई पद मिल सकता है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के कार्यालय से पार्टी विधायकों को फोन किए गए हैं ताकि उनका रुख और मौजूदा राजनीतिक हालात पर उनकी राय जानी जा सके। इस बातचीत के जरिए यह समझने की कोशिश की जा रही है कि क्या दोनों गुटों का विलय होना चाहिए या अन्य विकल्प तलाशे जाने चाहिए। एनसीपी (अजीत गुट) की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार, दोनों गुटों के विलय के खिलाफ हैं। उन्होंने महायुति के प्रदेश नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और चेतावनी दी है कि विलय से उनके अपने गुट के अस्तित्व पर खतरा आ सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि सुनेत्रा पवार ने यह भी संकेत दिया है कि अगर शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के तौर पर एनडीए में शामिल होता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

कराची में 7 महीने से फंसे 6 नाविक, भारत ने पाकिस्तान से मांगी मदद

नई दिल्ली , एजेंसी । पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पिछले करीब सात महीनों से छह भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। इनमें भारतीय मर्चेंट नेवी के एक चीफ ऑफिसर भी शामिल हैं। परिवारों की लगातार अपील और नाविकों की स्वदेश वापसी में हो रही देरी के बीच भारत सरकार ने अब पाकिस्तान से राजनयिक स्तर पर सहायता मांगी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार, 13 नवंबर को इसकी पुष्टि की। हालांकि, इस मामले में एक बड़ी पेचीदगी सामने आई है। भारत सरकार के मुताबिक, नाविकों की परेशानी सीधे तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी राजनीतिक या कूटनीतिक विवाद से नहीं, बल्कि जहाज की मालिक कंपनी और उसके कर्मचारियों के बीच व्यावसायिक विवाद से जुड़ी है। यही वजह है कि नाविकों की वापसी में लगातार देरी हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत सरकार वहां फंसे नाविकों, उनकी शिपिंग कंपनी और कंपनी के एजेंट के संपर्क में है। उन्होंने पाकिस्तान से कांसुलर सहायता का अनुरोध किए जाने की पुष्टि की। जायसवाल ने कहा, हम वहां मौजूद इन लोगों के संपर्क में हैं, साथ ही उनके नियोक्ता यानी पोत परिवहन कंपनी और उनके एजेंट से भी बातचीत कर रहे



हैं, और इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पाकिस्तानी पक्ष से राजनयिक सहायता का भी अनुरोध किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, छह भारतीय नाविकों का जहाज 17 अप्रैल 2023 (मूल खबर में 2026 दिया गया था, जिसे 2023 किया गया है) को कराची बंदरगाह पहुंचा था। इसके बाद जहाज एक विवाद में उलझ गया और चालक दल के सदस्य वहीं फंसकर रह गए। इस मामले में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मर्चेंट नेवी अधिकारी विनीत किशोर मिश्रा का नाम सामने आया है, जो ईरान की कंपनी के साथ काम कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, जहाज के कराची पहुंचने के बाद कंपनी और बंदरगाह अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसका खामियाजा जहाज पर मौजूद भारतीय कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले में एक अहम तकनीकी और कानूनी पहलू बताया। उनके मुताबिक, जहाज पर तैनात कर्मचारी अपनी ड्यूटी बीच में छोड़कर नहीं जा सकते। उनकी जगह दूसरे चालक दल की व्यवस्था करना जरूरी है। जब तक कंपनी नए कर्मचारियों को नहीं भेजती, तब तक मौजूदा चालक दल के सदस्यों के लिए जहाज से औपचारिक रूप से विदा लेना मुश्किल है। इस बीच, नाविकों के परिवारों ने उनकी स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विनीत किशोर मिश्रा के परिवार का आरोप है कि जहाज पर मौजूद कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए हैं, और बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। परिवारों के मुताबिक, जहाज पर संचार व्यवस्था बेहद खराब है, जिससे नाविकों की अपने परिजनों से नियमित बातचीत नहीं हो पा रही है। कई बार करीब 15 दिनों में एक बार ही उनसे संपर्क हो पाता है। सरकार इस मामले का समाधान निकालने की कोशिश कर रही है।

सीएम मान को पाकिस्तान के न्योते पर विदेश मंत्रालय की दो टूक, कहा- राष्ट्रीय नीति का पालन करें सभी

लाहौर में विश्व पंजाबी सम्मेलन का मुख्य अतिथि बनने का मिला निमंत्रण

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में होने वाले 'विश्व पंजाबी सम्मेलन' में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दूसरे देशों के साथ संबंधों को लेकर भारत की स्पष्ट राष्ट्रीय नीति है और सभी से इसका पालन करने की अपेक्षा की जाती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश जाने वाले जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों को राजनीतिक मंजूरी देने के मामले में मंत्रालय निर्धारित प्रक्रिया के तहत आकलन करता है और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को लेकर भारत का रुख सभी के सामने स्पष्ट है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब विधानसभा के सदस्यों को पाकिस्तान आने का औपचारिक तथा मौखिक निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा कि यह निमंत्रण पाकिस्तान पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की ओर से भी दिया गया है। सम्मेलन लाहौर में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

एफएटीएफ बैठकों में भारत की सक्रिय भागीदारी- जायसवाल ने बताया कि भारत ने पेरिस में आयोजित वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की पूर्ण बैठक और कार्य समूह की बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि एफएटीएफ अवैध वित्तीय गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करता है। भारत ने इन बैठकों में मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के लिए होने वाली फंडिंग को रोकने वाले वैश्विक तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से भाग लिया।

दिल्ली के प्रदूषण में बायोमास और कार्बनिक एयरोसोल की 50.8 फीसदी रही हिस्सेदारी

-आईआईटीएम की रिपोर्ट से हुआ खुलासा, धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा

लखनऊ , एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के प्रदूषण के स्रोतों के आकलन के मुताबिक बायोमास जलाना और द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल गुरुवार को दिल्ली के वायु प्रदूषण के सबसे बड़े कारण रहे। इन दोनों में से प्रत्येक का शहर के कुल प्रदूषण में 25.4 फीसदी योगदान रहा। वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा, जिसका योगदान 17 फीसदी था।

वहीं, द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल का प्रदूषण में योगदान 11.8 फीसदी रहा। द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल में नाइट्रेट का योगदान 4.9 फीसदी, अमोनिया का 4.1 फीसदी और सल्फेट का 2.9 फीसदी रहा। द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल हवा में मौजूद बेहद छोटे ठोस कणों या तरल बूंदों को कहते हैं, जो सीधे किसी स्रोत से उत्सर्जित नहीं होते, बल्कि वायुमंडल में कई गैसों के बीच होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। मिश्रित ईंधन दहन से 10.7 फीसदी प्रदूषण हुआ, जबकि पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रहा। नगरपालिका के कचरे और प्लास्टिक और रबर युक्त कचरे को जलाने से 1.5 फीसदी प्रदूषण हुआ। वहीं, खनिज धूल और राख का योगदान 0.9 और औद्योगिक उत्सर्जन का 0.2 फीसदी रहा।

विशेषज्ञों ने बताया कि द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल वायुमंडल में होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। इनका स्रोत कुछ उद्योगों, डीजल और पेट्रोल वाहनों तथा बायोमास जलाने से होने वाला उत्सर्जन हो सकता है। दिल्ली में गुरुवार को धुंध की मोटी भूरी परत में लिपटी रही। इससे शहर की इमारतें और दूर तक का नजारा धुंधला नजर आया। हवा की गुणवत्ता और खराब होने से लोगों को खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। स्वच्छ हवा के बुनियादी अधिकार की मांग को लेकर शहरभर में विरोध प्रदर्शन जारी रहने के बीच दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार के 313 से बढ़कर गुरुवार को 350 पर पहुंच गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है।

दिवाली के बाद प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत रहे पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रह गया। सोमवार को दिल्ली के कुल प्रदूषण में पटाखों का योगदान 71.1 फीसदी और मंगलवार को 29.8 फीसदी था। बुधवार को यह 7.4 फीसदी रहा। दिल्ली के लिए निर्णय सहायता



प्रणाली के मुताबिक शुक्रवार को परिवहन क्षेत्र से होने वाले प्रदूषण का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी होने का अनुमान है। इसके शुक्रवार को प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत बन सकता है।

परिसीमन और महिला आरक्षण कानून पास करने के लिए विशेष सत्र बुला सकती हैं मोदी सरकार

केंद्रीय मंत्रियों का दावा पास करने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र सरकार संसद का एक छोटा विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन और बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण कानून से जुड़े विधेयकों को जल्द से जल्द पारित कराना है। यह संभावित सत्र आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित किया हो सकता है, जो 30 नवंबर या 4 दिसंबर को शुरू होने की संभावना है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार के पास अभी भी एक छोटा विशेष सत्र आयोजित करने के लिए पर्याप्त समय है। एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि विधायी पैकेज को पारित करने के लिए दो विकल्प हैं.....या एक विशेष सत्र में या फिर शीतकालीन सत्र में पारित कराया जाएं। हालांकि, पहले बीजेपी के सहयोगी दलों को संकेत दिया गया था कि इस शीतकालीन सत्र में पारित करने की अधिक संभावना है।

इन विधेयकों को पारित कराना मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले लागू करने की दिशा में आखिरी मौका हो सकता है। 2029 में ही लोकसभा चुनाव होने हैं। इस विधायी पैकेज में एक संविधान संशोधन विधेयक प्रमुख है, जो कि परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए एक जटिल संख्याबल की जरुरत होती है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अलग-अलग पारित करना होता है, जिसके लिए कुल सदस्यता के बहुमत के साथ-साथ मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन की अनिवार्य शर्त होती है। इसतरह के विधेयकों को संयुक्त बैठक के जरिए पारित नहीं किया जा सकता। इसी जटिलता के चलते, अप्रैल में संख्याबल की कमी के कारण एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया था।

वर्तमान संख्याबल पर और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में एनडीए के पास 320 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में यह संख्या 155 है। यदि सभी सांसद मतदान में भाग लेते हैं, तब दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने के लिए सरकार को लोकसभा में 360 मतों (जो वर्तमान संख्या से 40 कम हैं) और राज्यसभा में 161 मतों (जो 6 कम हैं) की आवश्यकता होगी।

हालांकि, एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने आत्मविश्वास जताकर दावा किया है कि मोदी सरकार के पास आवश्यक आंकड़े से लगभग 15 वोट अधिक हैं। केंद्र सरकार विपक्षी दलों की चिंताओं को दूर करने और उनका समर्थन या कम से कम मतदान से गैरहाजिरी सुनिश्चित करने की कोशिश में है।

संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद से अब तक उसका सत्रावसान नहीं हुआ है। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए, सरकार को सत्र बुलाने के लिए 14 दिनों के अनिवार्य नोटिस की आवश्यकता नहीं होगी, और वह किसी भी दिन बैठक बुला सकती है। यह विशेष सत्र के आयोजन की संभावना को और प्रबल करता है, जहां सरकार इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी में की पूजा-अर्चना, क्षेत्र में सुरक्षा पर विशेष ध्यान

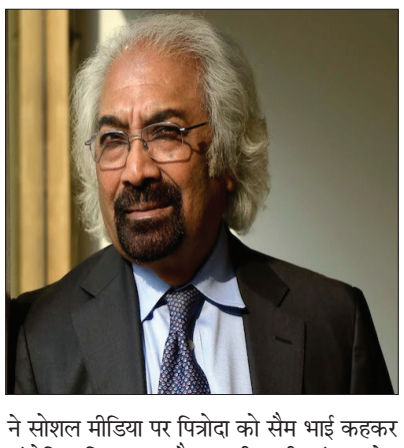
कटरा, एजेंसी । जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हाल ही में रियासी जिले में स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा कर पूजा-अर्चना की। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में, उनका यह दौरा क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और तीर्थयात्रियों की रिकॉर्ड संख्या के बीच विशेष महत्व रखता है। उपराज्यपाल की यात्रा से ठीक एक दिन पहले, पुलिस उपमहानिरीक्षक (उधमपुर-रियासी रेंज) स्वर्ण सिंह कोतवाल ने रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुकुंद तिबरेवाल के साथ श्रद्धालुओं के आधार शिविर कटरा का दौरा किया था। उन्होंने कटरा से भवन तक जाने वाले दोनों यात्रा मार्गों का पैदल निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का गहन जायजा लिया था। इस बीच, माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ रही है।

सैम पित्रोदा ने कहा, मेरा फोन और लैपटॉप टैप किया जा रहा... मोदी खुद स्कूड्राइवर लेकर ऐसा नहीं कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने हाल ही में दावा किया है कि उनका फोन और लैपटॉप टैप किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद स्क्रूड्राइवर लेकर ऐसा नहीं कर रहे हैं। यह बयान राहुल गांधी के उन आरोपों के बीच आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपना मोबाइल फोन टैप करने का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पित्रोदा ने बताया कि उनकी टैपिंग के पीछे किसका हाथ है।

पित्रोदा ने जोर दिया कि निजी रिश्तों को राजनीति से अलग रखना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा उनके और उनकी पत्नी के प्रति गर्मजोशी और अपनापन रखते हैं। उनका मानना है कि वे किसी से असहमत होने के बावजूद उसके साथ कॉफी पी सकते हैं, यह दिखाता है कि व्यक्तिगत संबंध और राजनीतिक व वैचारिक मतभेद अलग-अलग हैं। पित्रोदा ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके निजी संबंध अच्छे हो सकते हैं, लेकिन उनके राजनीतिक और वैचारिक मतभेद कायम हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने 12 नवंबर को दिवाली और गुजराती नववर्ष के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई शुभकामनाओं का जिक्र किया। पीएम मोदी



ने सोशल मीडिया पर पित्रोदा को सैम भाई कहकर संबोधित किया था और उनकी पत्नी अंजना बेन के लिए भी सुखद व स्वस्थ वर्ष की कामना की थी। इसके जवाब में पित्रोदा ने भी मोदी को नरेंद्र भाई कहकर धन्यवाद दिया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना की थी। पित्रोदा ने साफ किया कि शुभकामनाओं का यह आदान-प्रदान किसी भी तरह से कांग्रेस और भाजपा के बीच संबंधों को सुधारने का प्रयास नहीं था, बल्कि यह पूरी तरह से सैम पित्रोदा और नरेंद्र मोदी के बीच एक निजी बातचीत थी।

सैंडपेपर विवाद

वसीम अकरम बोले- निशान खरोंच से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के केपटाउन टेस्ट से जुड़ा सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। उस्मान ख्वाजा के बयान के बाद इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। अकरम का कहना है कि एक अनुभवी गेंदबाज गेंद पर सैंडपेपर से किए गए बदलाव को तुरंत पहचान सकता है।

विवाद पर वसीम अकरम ने दी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एक बार फिर सुर्खियों में आए सैंडपेपर विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2018 के केपटाउन टेस्ट में गेंदबाजी इकाई का अहम हिस्सा रहे पैट कमिंस को गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी कैसे नहीं हो सकती थी। अकरम के मुताबिक, गेंद की स्थिति में इस तरह का बदलाव अनुभवी गेंदबाजों की नजर से छिपना मुश्किल है।



एक गेंदबाज के तौर पर मुझे तुरंत पता चल जाएगा कि कुछ गड़बड़ है

अकरम ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में कहा, मैंने पैट कमिंस को यह कहते हुए देखा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। वह मेरे बहुत करीबी दोस्त, शानदार क्रिकेटर और विश्व क्रिकेट के बेहतरीन नेताओं में से एक हैं। इसलिए हो सकता है कि उस समय पूरी टीम को पता न हो कि क्या हो रहा था। यह मेरी राय है, जो सही भी हो सकती है और गलत भी।

गेंद रगड़कर खुद अंतर देख सकते हैं

रिवर्स स्विंग के विशेषज्ञ माने जाने वाले अकरम ने क्रिकेट प्रशंसकों को भी इस अंतर को समझने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, अगर आप क्रिकेट प्रेमी हैं और इस अंतर को देखना चाहते हैं, तो एक थोड़ी पुरानी क्रिकेट गेंद और सैंडपेपर का टुकड़ा लीजिए। उसे गेंद पर रगड़कर देखिए, आपको समझ आ जाएगा कि दोनों तरह के निशान बिल्कुल अलग होते हैं।

मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं

वसीम अकरम ने स्पष्ट किया कि वह इस विवाद में किसी एक पक्ष का समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैदान के अंदर और बाहर अपने सीधे रवैये, कड़े प्रतिस्पर्धी स्वभाव और सबसे महत्वपूर्ण ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आठ साल पहले भी इस पूरे मामले के कारण ऑस्ट्रेलिया एक मुश्किल दौर से गुजरा था और अब एक बार फिर पूरा देश तनाव में है। उम्मीद है कि इस मामले का जल्द समाधान निकल जाएगा।

ख्वाजा के बयान पर भड़के थे पैट कमिंस

यह विवाद उस्मान ख्वाजा के हालिया बयान के बाद फिर से चर्चा में आया। ख्वाजा ने दावा किया था कि केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद पर सैंडपेपर इस्तेमाल किए जाने की जानकारी थी। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

तेज गेंदबाज बरार न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया

- कुलदीप बाहर, पंत भी टीम से जुड़े, 19 नवंबर से पहला टेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वे अब भारत में घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार



को टीम में बदलाव की जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टीम से जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे। गुरनूर बरार न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। गुरनूर इस साल वनडे में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

टी-20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बने वैभव, बनाया विश्व रिकॉर्ड

इंदौर (एजेंसी)। भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन आज से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कप्तानी की थी।

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हराया

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हरा दिया। बिहार की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए। सौराष्ट्र ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हराया

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान करुणाल पंड्या 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवालिक शर्मा ने 45 रन की पारी खेली।चंडीगढ़ की ओर से भगमेंदर लाथर ने 2 विकेट लिए। संदीप शर्मा, चिरागवीर धिंडसा और शिवम भांबरी को 1-1 विकेट मिला।

15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कमान

38 टीमें खेलेंगी घरेलू टी-20 टूर्नामेंट



सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शुरू हो गई है। इसमें 38 टीमें हिस्सा ले रही है। 32 टीमें एलीट और 6 टीमें प्लेट डिवीजन में खेलेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार की कप्तानी करेंगे। सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी खेलेंगे। पिछली बार की चैंपियन झारखंड खिताब बचाने उतरेगी।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

38 टीमें दो डिवीजन में खेलेंगी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। इसमें रणजी ट्रॉफी खेलने वाली टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार 38 टीमों को दो डिवीजन में बांटा गया है।एलीट डिवीजन में 32 टीमें होंगी। इन्हें चार ग्रुप में रखा गया है और हर ग्रुप में 8 टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी 7 टीमों से खेलेगी। चारों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें सुपर लीग में पहुंचेंगी।सुपर लीग में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम 3 मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। एलीट डिवीजन का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।प्लेट डिवीजन में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी और हर टीम के 5 लीग मैच होंगे। पॉइंट्स टेबल की शीर्ष 2 टीमें 24 नवंबर को फाइनल खेलेंगी।

पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया–पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया।पहले बल्लेबाजी करते हुए पुडुचेरी ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 204 रन बनाए। भानु आनंद और परमीश्वरन शिवरामन ने 46-46 रन की पारी खेली, जबकि पुगाझेंडी आकाश ने 14 गेंदों पर 42 रन बनाए।

अच्छी खबर

दीप्ति दूसरी बार आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अक्टूबर के लिए ह्यूष्ट विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। 29 साल की दीप्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 इंटरनेशनल मैच में 155 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे समेत सभी 6 मुकाबले जीते। दीप्ति ने इस पुरस्कार की दौड़ में बांग्लादेश की सोभना मोस्तारी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। यह उनके करियर का दूसरा आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में यह सम्मान मिला था।दीप्ति शर्मा टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज की शुरुआत रायपुर में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल से हुई। इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 19 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में दीप्ति ने तेजी से 49 रन बनाए।टी-20 सीरीज में दीप्ति ने कुल 2 विकेट भी लिए।



बुरी खबर

तेलंगाना की अंडर-19 क्रिकेटर ने किया सुसाइड

नईदिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में चुनी गईं 17 साल की क्रिकेटर नंदिनी ने सुसाइड कर लिया है। वे यहां अपनी नानी के घर रहकर



पढ़ाई और क्रिकेट की तैयारी कर रही थीं। इस घटना के विरोध में उनके रिश्तेदारों ने प्रदर्शन किया। घटना शुक्रवार की है। परिजन का आरोप है कि इलाके में रहने वाला युवक अनिल प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा करता था। अनिल का दोस्त कृष्णा उसका साथ देता था। नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के यलाल मंडल के संगयापल्ली गांव की रहने वाली थीं। हाल ही में उनका सिलेक्शन बीसीसीआई अंडर-19 टीम में हुआ था। नंदिनी की मौत के बाद परिजन ने सड़क पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों युवकों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद नंदिनी का शव परिवार को सौंप दिया गया। विकाराबाद के सर्किल इंस्पेक्टर रघु के मुताबिक, पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत का न्यूजीलैंड के साथ निर्णायक मुकाबला आज



माउंट मोनगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम अब आखिरी मुकाबले में सम्मान बचाने और सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। माउंट मोनगानुई में रविवार को होने वाले पांचवें और निर्णायक वनडे में भारतीय बल्लेबाजों के सामने स्विंग और सीम लेती गेंदों की बड़ी चुनौती होगी।

भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज पिछले मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी के सामने पूरी तरह नाकाम रहे थे। मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। ऐसे में टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की होगी।

89 रन पर सिमटी थी टीम इंडिया, झेलनी पड़ी बड़ी हार

चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई थी।न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 244 रन से जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

रोहित पर रहेंगी निगाहें

पांच मैचों की इस सीरीज में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर अब तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। चौथे वनडे में रोहित मैट हेनरी की शानदार गेंद पर चकमा खाकर स्लिप में कैच दे बैठे। वहीं श्रेयस अय्यर तेज गति से अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कप्तान के रूप में अय्यर का पदार्पण भी निराशाजनक रहा। अब दोनों बल्लेबाज आखिरी मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर

पावरप्ले में न्यूजीलैंड ने मारी बाजी, चौथे वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन कर दिया था। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर वैसा दबाव नहीं बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हो गई थीं।

न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा

चौथे वनडे में बड़ी जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। टीम के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई, जबकि विल यंग ने दो बार कैच छूटने के बाद शानदार शतक जड़ा। न्यूजीलैंड की कोशिश पांचवां वनडे जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने की होगी।

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया, दूसरे खिताब से एक जीत दूर

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

कुमामोटो (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा। लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की।

दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था।यह इस सीजन का उनका पहला और करियर का सातवां बीडब्ल्यूएफ खिताब था। अब जापान मास्टर्स में भी वे उसी लय को बरकरार रखे हुए हैं। लक्ष्य ने जापान मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी।



दूसरे राउंड में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 35 मिनट चला था। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला 39 मिनट से कम समय में खत्म हुआ था। लक्ष्य सेन ने हाल ही में कोरिया ओपन से नाम वापस ले लिया था। हालांकि, जापान मास्टर्स में उनके प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

सूर्यकुमार ने की तूफानी वापसी, 60 रन की खेली ताबड़तोड़ पारी



मुंबई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में मुंबई की कप्तानी करते हुए सूर्या ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी और मुशीर खान के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 173 रनों का लक्ष्य महज 13.1 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया।

6 महीने बाद टी20 में सूर्यकुमार की वापसी

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने करीब छह महीने बाद प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के पहले मुकाबले में मुंबई की कप्तानी की। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। उनकी पारी ने मुंबई की जीत को बेहद आसान बना दिया।

सिर्फ 15 गेंदों में जड़ दी फिफ्टी

सूर्यकुमार यादव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके टी20 करियर की 66वीं फिफ्टी रही। सूर्या ने 21 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबई के पक्ष में कर दिया।

हैदराबाद की टीम 172 रन पर सिमटी

इससे पहले मुंबई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हैदराबाद की शुरुआत अच्छी रही और अमन राव पेराला ने पहले ओवर में शार्दुल ठाकुर के खिलाफ तीन चौके लगाए। हालांकि ठाकुर ने अपने दूसरे ओवर में पेराला को आउट कर बदला चुकता किया। पावरप्ले के छह ओवर में हैदराबाद ने दो विकेट के नुकसान पर 54 रन बना लिए थे।

मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते दर्ज की जीत

हैदराबाद के 172 रनों के जवाब में मुंबई ने 13.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 173 रन बना लिए। इस तरह मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव और मुशीर खान की अर्धशतकीय पारियां टीम की जीत की सबसे बड़ी वजह रहीं। मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की।



प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल

रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

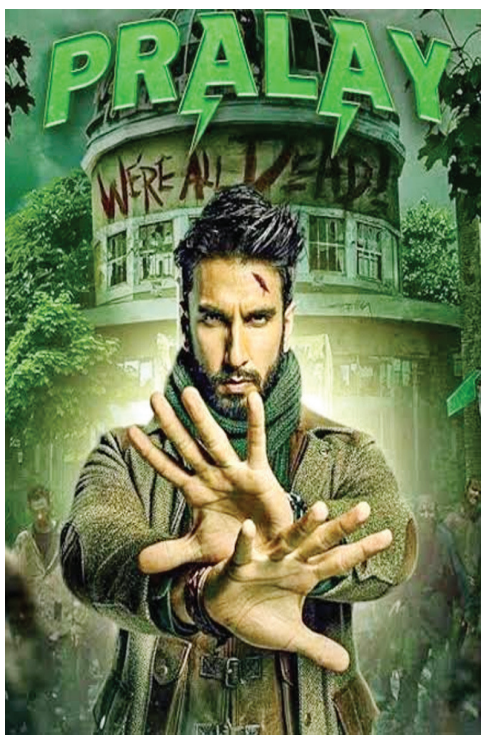
मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (लक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।





फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।



बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ऑवर' और 'माई' शामिल हैं।

अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'



आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओम: चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओम: चैप्टर 1 – उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर

अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई। कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं।







अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

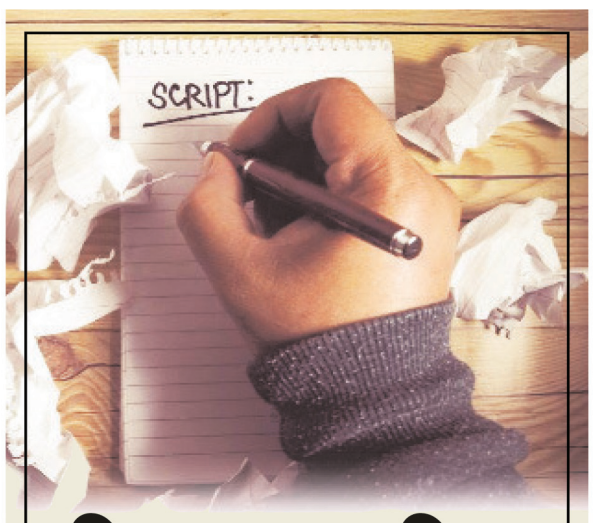
जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।





स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

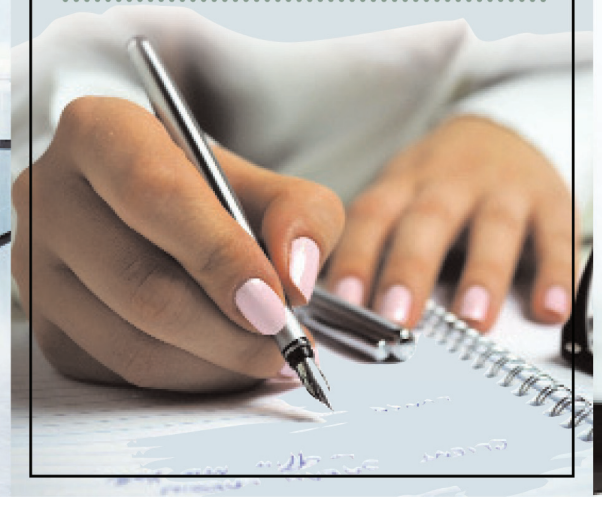
जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।





लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

